दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक रखता है, वही कठिन परिस्थितियों को भी अवसर में बदलने की क्षमता रखता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-118 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 23 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

कपिलवस्तु–इतिहास की धरती पर जीवंत होती बुद्धकालीन सभ्यता की गाथा

भारत की पवित्र भूमि पर स्थित कपिलवस्तु केवल एक ऐतिहासिक स्थान नहीं, बल्कि बौद्धकालीन संस्कृति, राजनीति और मानवता के उत्कर्ष का जीवंत साक्षी है। जब हमारा भ्रमण दल उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक स्थल की ओर अग्रसर हुआ, तो यह यात्रा केवल भौगोलिक दूरी तय करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह हमें हजारों वर्ष पुराने इतिहास के साक्षात्कार तक ले गई। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

घने जंगलों से होकर गुजरती हमारी यात्रा अपने आप में एक अद्भुत अनुभव थी। सागवान और पलाश के चौड़े हरे पत्तों से ढके पेड़ों के बीच से निकलते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो प्रकृति स्वयं हमें उस कालखंड में ले जा रही हो, जहाँ कभी राजकुमार सिद्धार्थ ने अपने बचपन के दिन बिताए थे। वातावरण में एक अनोखी शांति थी, जो इस बात का संकेत दे रही थी कि हम किसी विशेष और ऐतिहासिक भूमि की ओर बढ़ रहे हैं।

कपिलवस्तु के समीप पहुँचते ही भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किए जा रहे उत्खनन कार्य ने हमारा ध्यान आकर्षित किया। एक बड़े बोर्ड पर लिखा था– 'गनवरिया सभ्यता का उत्खनन कार्य प्रगति पर है।' यह दृश्य रोमांचित करने वाला था। हमारे दल ने इस स्थल पर रुककर वहां चल रहे शोध और खुदाई कार्य को नजदीक से देखने का निर्णय लिया। पुरातत्व विभाग की टीम अत्यंत गंभीरता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ इस ऐतिहासिक टीले की खुदाई कर रही थी। खुदाई के दौरान प्राप्त होने वाले अवशेषों को बड़ी सावधानी से बाहर निकाला जा रहा था और फिर उन्हें पास ही बने मॉडल ग्राउंड में ले जाकर धोकर सुरक्षित रखा जा रहा था। यह देखकर यह स्पष्ट हुआ कि इतिहास को केवल किताबों में नहीं, बल्कि जमीन की परतों में भी पढ़ा जाता है। इस उत्खनन कार्य में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखने को मिली, जो इस कार्य में सहयोग करते हुए रोजगार भी प्राप्त कर रहे थे। वहीं पुरातत्व विभाग के अधिकारी इस पूरे कार्य की निगरानी कर रहे थे और हर छोटे-बड़े साक्ष्य का परीक्षण कर रहे थे। यह केवल खुदाई नहीं, बल्कि अतीत को वर्तमान से जोड़ने का एक वैज्ञानिक प्रयास था। गनवरिया क्षेत्र से प्राप्त हो रहे अवशेष इस बात के प्रमाण हैं कि यह क्षेत्र बौद्धकालीन स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां से मिले स्तूपों के अवशेष, ईंटों की संरचनाएं और अन्य सामग्री यह दर्शाती हैं कि उस समय वास्तुकला कितनी विकसित और व्यवस्थित थी। कपिलवस्तु का नाम आते ही हमारे मन में उस युग की राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था की छवि उभरने लगती है। यह वही स्थान है जहां शाक्य वंश का शासन था और जहाँ राजकुमार सिद्धार्थ ने अपने जीवन के प्रारंभिक वर्ष बिताए। यही वह भूमि है जहाँ से उन्होंने जीवन के सत्य की खोज के लिए महाभिनिष्क्रमण किया और आगे चलकर गौतम बुद्ध बने।

कपिलवस्तु केवल एक नगर नहीं था, बल्कि यह एक ऐसी सांस्कृतिक और राजनीतिक व्यवस्था का केंद्र था, जहाँ समृद्धि, शांति और ज्ञान का संतुलन देखने को मिलता था। यहाँ की सामाजिक संरचना और प्रशासनिक व्यवस्था उस समय के लिए अत्यंत उन्नत मानी जाती थी।

हमारा भ्रमण दल जब इस ऐतिहासिक स्थल का निरीक्षण कर आगे बढ़ा, तो मन में अनेक प्रश्न और भावनाएँ उमड़ रही थीं। यह अनुभव केवल देखने भर का नहीं था, बल्कि यह उस युग को महसूस करने का अवसर था, जिसने पूरी दुनिया को अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश दिया।

कपिलवस्तु से आगे हमारा अगला पड़ाव नेपाल स्थित लुंबिनी था, जहाँ तथागत गौतम बुद्ध का जन्म हुआ। लेकिन कपिलवस्तु की इस यात्रा ने हमारे मन पर जो छाप छोड़ी, वह अद्भुत और अविस्मरणीय है। यह स्थान न केवल बुद्ध के जीवन से जुड़ा है, बल्कि यह उनकी शिक्षाओं के उद्गम का भी केंद्र है। आज जब हम आधुनिकता और विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, तब कपिलवस्तु जैसे ऐतिहासिक स्थल हमें हमारी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि वास्तविक प्रगति केवल भौतिक विकास में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना में भी निहित होती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कपिलवस्तु की यह यात्रा केवल एक भ्रमण नहीं थी, बल्कि यह इतिहास, संस्कृति और आत्मिक अनुभूति का संगम थी। यहाँ के उत्खनन कार्य, प्राकृतिक वातावरण और ऐतिहासिक साक्ष्य हमें यह सिखाते हैं कि अतीत को समझे बिना भविष्य का निर्माण अधूरा है। कपिलवस्तु आज भी विश्व को यह संदेश देता है कि ज्ञान, करुणा और सत्य की खोज ही मानव जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है–और यही वह धरोहर है जिसे हमें सहेजकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है।

गांवों में गंदगी देख मंत्री ने 6-अधिकारियों को किया सस्पेंड

अफसर से बोले-तुम्हारा BDO कभी गांव में नहीं जाता, बीमारी फैली तो कौन जिम्मेदार होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर। सीकर में गंदगी देख शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर भड़क गए। उन्होंने जिला परिषद सीईओ को फोन करके कहा- यदि इस गंदगी से बीमारी फैल गई तो

उसका जिम्मेदार कौन होगा। मंत्री दिलावर ने सीकर के 2 खंड विकास अधिकारी (BDO), 2 अतिरिक्त खंड विकास अधिकारी (ABDO) और 2 स्वच्छता प्रभारी को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही जिला परिषद के सीईओ और एसीईओ को चार्जशीट देने के निर्देश दिए। दरअसल रविवार को मंत्री मदन दिलावर जयपुर से चूरू जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने सीकर में कई ग्राम पंचायत का दौरा किया। मंत्री सबसे पहले सीकर जिले की ग्राम पंचायत ठीकरिया पहुंचे। इसके बाद पंचायत समिति पलसाना की ग्राम पंचायत रेवासा पहुंचे।

सीकर से चूरू जाते हुए मंत्री को जगह-जगह कचरे के ढेर मिले।

पंचायत समिति पिपराली की ग्राम पंचायत बाजोर में पानी भरा मिला

ग्रामीणों से पूछा- रोज झाड़ू निकलती है क्या?

रेवासा में पूरे गांव में गंदगी के अंबार लगे देखकर मंत्री मदन दिलावर भड़क गए। उन्होंने ग्रामीणों को बुलाकर पूछा कि गांव में रोज झाड़ू निकलती है क्या? पंचायत की तरफ से सफाई कर्मी आते हैं क्या? इस पर ग्रामीणों ने कहा- कोई भी झाड़ू लगाने नहीं आता है। न ही कोई गाड़ी कचरा उठाने आती है।

जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फोन किया

इसके बाद शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर पंचायत समिति पिपराली की ग्राम पंचायत बाजोर पहुंचे। पूरे गांव में पानी फैला हुआ था। जगह-जगह कीचड़ और रास्ते जाम थे। गांव के मुख्य सड़क पर ही गंदगी और कचरे की ढेर लगे थे। इसे देखकर मंत्री मदन दिलावर ने तुरंत जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फोन किया।

दिलावर ने पूछा- आप कभी गांव में जाते हो? कभी किसी पंचायत समिति में दौरा कर उसकी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया है? मंत्री ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी से सवाल किया कि मैं गांव-गांव घूम के आ रहा हूं। सभी जगह गांव में गंदगी के ढेर लगे मिले हैं। झाड़ू और सफाई की व्यवस्था नहीं हो रही है। गर्मी का मौसम आने वाला है, इस गंदगी से गांव में हैजा हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा? तुम्हारा BDO कभी गांव में जाता नहीं है।

इन्हें किया सस्पेंड

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने जिला परिषद सीकर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी को चार्जशीट देने और BDO पलसाना सुरेंद्र शर्मा (कार्यवाहक), ABDO पलसाना बीरबल सिंह, BDO पिपराली जनरैल सिंह, ABDO पिपराली रतन को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ दो स्वच्छता प्रभारी को भी सस्पेंड किया गया है।

मंत्री मदन दिलावर ने कहा- 2 साल से लगातार कहने के बाद भी यदि गांव में सफाई नहीं हो रही है तो मैं जिम्मेदार उच्च अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करूंगा। यदि स्वच्छता के पैसों को किसी अन्य कार्य में खर्च किया गया होगा तो उसकी वसूली भी संबंधित जिम्मेदार अधिकार से करूंगा।

प्रदेश सरकार गांवों में बुनियादी सुविधाओं को कर रही मजबूतः सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद ने 19 लाख की लागत से बने बस स्टैंड का किया उद्घाटन

तलवाड़ा में नए बस स्टैंड का उद्घाटन, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव तलवाड़ा में नवनिर्मित बस स्टैंड का उद्घाटन किया। इस बस स्टैंड के निर्माण पर करीब 19 लाख रुपये की लागत आई है। इस मौके पर सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए बस स्टैंड के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और यात्रियों को बेहतर इंतजार स्थल उपलब्ध होगा। सांसद ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विस्तार, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने, स्वच्छता अभियान, बिजली आपूर्ति में सुधार तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों का उन्नयन और डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास

सुनिश्चित हो सके। सांसद ने विशेष रूप से पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार प्रदान किए हैं, जिससे वे अपने स्तर पर विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। उन्होंने बताया कि पंचायतों को पर्याप्त वित्तीय ग्रांट भी उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि गांवों में आधारभूत ढांचे का विकास तेज गति से हो सके और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कार्य कराए जा सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है, जिसके लिए पंचायतों की भूमिका को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सहयोग करने और सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर तलवाड़ा सरपंच अमनदीप कौर, सरपंच प्रतिनिधि मनदीप सिंह दीपी, सरपंच संगठन के प्रधान कमलदीप सिंह गुल्लरवाला, सरपंच गुरप्रीत सिंह साधनवास, चेयरमैन विकास कामरा, एसडीओ बलवान सिंह, एबीपीओ संदीप कुमार, कनिष्ठ अभियंता संजीव भाटिया सहित जाखल खंड के गांवों के सरपंच और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

चिड़ावा में देर रात बड़ा हादसा टलाः टायर की दुकान में भीषण आग, दमकल की तत्परता से बची बड़ी अनहोनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर के कबूतर खाना क्षेत्र में शनिवार देर रात करीब 10 बजे एक टायर पंचर की दुकान में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार वर्मा टायर्स नामक दुकान में आग लगने से धुआं तेजी से फैलने लगा, जिससे आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया।घटना की सूचना मिलते ही चिड़ावा नगरपालिका के अग्निशमन विभाग को तुरंत अलर्ट किया गया। दमकल कर्मी दयाराम और रविंद्र मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही चिड़ावा थाने से एएसआई ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए लोगों को दूर रहने की हिदायत दी। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारण हो सकते हैं। प्रशासन द्वारा दुकान में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी ने शुरू किया रोड कट मरम्मत अभियान

रोड कट मरम्मत अभियान से झुंझुनूं शहर को मिलेगी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शहर की सड़कों पर बने गड्ढों और कटाव से परेशान आमजन को राहत देने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने विशेष रोड कट मरम्मत अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत शहर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों और अधिक यातायात वाले स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सतीश चंद गुप्ता ने बताया कि जलदाय, विद्युत एवं दूरसंचार विभागों द्वारा पाइपलाइन और केबल बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़क कटिंग की गई

थी। समय पर मरम्मत नहीं होने से इन जगहों पर गड्ढे बन गए, जिससे यातायात बाधित हो रहा था और दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पहले से चिन्हित स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि सड़कें समतल हों और आवागमन सुगम बन सके। अभियान के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिससे मरम्मत कार्य टिकाऊ रहे और बार-बार समस्या उत्पन्न न हो। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्र की सड़कों की स्थिति में सुधार लाना और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। साथ ही विभाग ने भविष्य में इस प्रकार के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए हैं।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

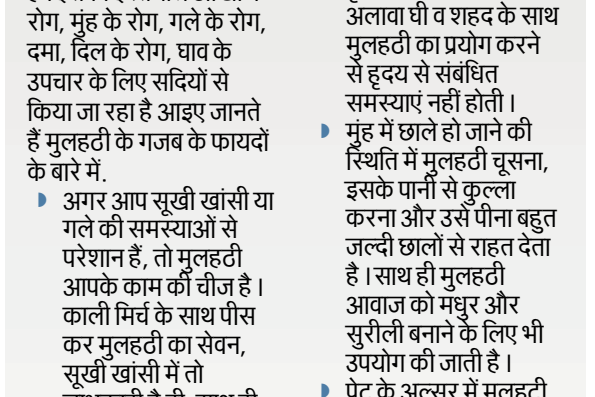

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

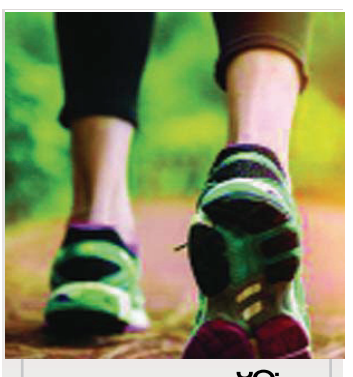

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

अंबेडकर समिति सूरजगढ़ की नई कार्यकारिणी का सर्व सम्मति से हुआ गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

स्थानीय श्री रैगर समाज सामुदायिक भवन में आयोजित आम सभा में वरिष्ठ समाजसेवी फूलचंद सुनिया की अध्यक्षता में, कस्बे की अग्रणी सामाजिक संस्था डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति सूरजगढ़ की पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई कार्यकारिणी का सर्व समिति से गठन किया गया। नव नियुक्त सचिव राधेश्याम चिरानिया ने बताया कि नव गठित कार्यकारिणी में मा. रतनलाल चेतीवाल को अध्यक्ष, सीताराम कटारिया को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सोहनलाल बाकोलिया को कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव एवं मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश सेवदा को, एडवोकेट रतनलाल तंवर को विधि

सलाहकार, कार्यक्रम प्रभारी सज्जन कटारिया, सह कार्यक्रम प्रभारी अनिल कनवाड़िया, संगठन मंत्री रामस्वरूप सिंह आसलवासिया, संरक्षक मोतीलाल डिग्रवाल, कौर कमेटी में भंवरलाल बड़सीवाल, गोविंदराम सोकरिया, मा.फूलचंद सुनिया, हव. लीलाराम चौहान, फूलचंद फुलवारिया, गुलझारी लाल चावला एवं प्रचार प्रसार मंत्री के लिए जुगल किशोर चेतीवाल, सह प्रचार प्रसार मंत्री कुलदीप सिंगल, तथा महिला मंडल अध्यक्ष आयुष्मति विमला कुमारी, सचिव आयुष्मति कविता कटारिया तथा महिला संगठन मंत्री की जिम्मेदारी आयुष्मति मंजीत सिंगल को दी गई। मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश सेवदा ने बताया कि संविधान निर्माता महामानव डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मोत्सव चौदह अप्रैल को पूर्व की भांति मनाया जाएगा और उसी दिन बालिकाओं के लिए लगभग तीस लाख की लागत से बनने वाली नि:शुल्क डिजिटल लाइब्रेरी भवन निर्माण की नींव भी रखी जाएगी ताकि बेटी पढ़ाओ - बेटी बचाओ का नारा सार्थक हो सके। शिक्षा के क्षेत्र में इजाफा हो सके और बालिकाएं भी देश की प्रगति में अपना सहयोग कर सके। छोटेलाल गजराज डीसी, राजेंद्र प्रसाद चेतीवाल, नंदलाल सुनिया, किशनलाल गजराज, आयुष्मति संतोष, आ. विमला बाकोलिया, आ. किरण देवी सहित कई लोगों ने साधारण सभा में भाग लिया।

भगवा रैली के पोस्टर विमोचन किया व लक्ष्मनगढ दुर्ग पर लहराया भगवा ध्वज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

रामनवमी की पूर्व संध्या पर यहां हिन्दू संगठनों की ओर से आयोजित होने विशाल भगवा रैली के पोस्टर का विमोचन कर लक्ष्मणगढ़ के दुर्ग पर भगवा ध्वज फहराया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक जयशंकर पुजारी ने बताया कि रैली के लिए अलग-अलग वार्डों के संयोजक बनाए गए जिसमें वार्ड नंबर 26,27 राहुल कुमावत रवि कुमावत भगवा रैली संयोजक बनाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टर विमोचन के अवसर पर पवन गोयनका जयप्रकाश सरावगी गिरधारी लाल जाजोदिया शहर भाजपा अध्यक्ष ललित पंवार रमेश सोनी सुरेश बीबी पुरिया राजेश जोशी कमल सुरोलिया पार्षद मुकेश सैनी भगवा रक्षा वाहिनी के उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार महामंत्री अमित कुमार जोशी नवीन वोचीवाल ओबीसी मोर्चा विनीत सोनी योगेश गोयनका वार्ड नंबर 32 के संयोजक विकास सैनी गौरव

सैनी विक्रम सैनी हेमंत सैनी आलोक बिजारणिया मोहित ओझा हिमांशु सैनी शंभू सैनी कृष्ण सैनी मयंक सैनी सुमित शर्मा अनिल सैनी पवन बिजारणिया अंकित सुरोलिया महेश कुमार सेन राकेश सेन आदि मौजूद थे।

पुराने अंदाज में दिखे पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, चिड़ावा में पारिवारिक सदस्यों के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ रविवार को चिड़ावा पहुंचे। इस दौरान उपराष्ट्रपति धनखड़ पुराने अंदाज में नजर आए। पूर्व उपराष्ट्रपति अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ निजी दौरे पर चिड़ावा पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ आत्मीय समय बिताया। इस दौरान जगदीप धनखड़ पुराने अंदाज में परिजनों से हंसी-मजाक करते दिखाई दिए। हालांकि, उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी और किसी भी तरह की बातचीत नहीं की। मिली जानकारी के अनुसार अपने दौरे के दौरान

उन्होंने अपने रिश्ते में बड़े भाई 97 वर्षीय रामजीलाल धनखड़ की कुशलक्षेम जानी। इस मौके पर हार्डवेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष व उनके भतीजे महेंद्र धनखड़, रतनवीर धनखड़, जय सिंह धनखड़ सहित अन्य पारिवारिक सदस्य भी मौजूद रहे। वहीं, सुदेश धनखड़ ने परिवार की महिलाओं के साथ समय बिताया।

जिला एसपी का व्यापक निरीक्षण: थानों से लेकर हरियाणा बॉर्डर तक सख्ती के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर (आईपीएस) ने रविवार को जिले के विभिन्न पुलिस थानों, वृत कार्यालयों तथा हरियाणा बॉर्डर क्षेत्रों का सघन एवं व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी सागर ने बबाई, खेतड़ी, मेहाड़ा, खेतड़ीनगर, सिंघाना, पचेरी कलां, बुहाना, सूरजगढ़, चिड़ावा एवं बगड़ सहित कई पुलिस थानों का दौरा किया। साथ ही पिलोद पुलिस चौकी, वृत कार्यालय खेतड़ी व चिड़ावा तथा हरियाणा सीमा क्षेत्र नावता और बसई का भी निरीक्षण किया गया। एसपी ने निरीक्षण के दौरान थानों की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण, मालखाना, हवालात, सीसीटीएनएस प्रणाली और साफ-सफाई व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। लंबित प्रकरणों, वारंट और समन तामील की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने थानाधिकारियों को निर्देश दिए कि गंभीर एवं संवेदनशील मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए और आमजन की शिकायतों पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

महिला व साइबर अपराधों पर विशेष फोकस

पुलिस अधीक्षक ने महिला, बाल एवं साइबर अपराध से जुड़े मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरतने और प्रभावी अनुसंधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपराध नियंत्रण व निगरानी बढ़ाने के निर्देश

वृत कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। साथ ही वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी और नियमित गश्त बढ़ाने पर जोर दिया गया। सर्किल अधिकारियों को समय-समय पर बैठक कर अपराध नियंत्रण की कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए।

बॉर्डर पर सख्त चेकिंग के निर्देश

हरियाणा बॉर्डर क्षेत्र में एसपी ने नाकाबंदी व्यवस्था, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन जांच और अंतरराज्यीय आवागमन की निगरानी का जायजा लिया। उन्होंने तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि तस्करी, अवैध गतिविधियों और अपराधियों की आवाजाही पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए तथा हरियाणा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई की जाए।

कर्मियों से संवाद, अनुशासन पर जोर

निरीक्षण के दौरान एसपी सागर ने अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अनुशासन, समयपालन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्पष्ट किया कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने निर्देश दिए कि निरीक्षण में पाई गई कमियों को प्राथमिकता से दूर कर पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

जिला मुख्यालय पर अंबेडकर जयंती वाहन रैली की तैयारियों को लेकर सर्वसमाज एकता मंच की बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं शहर के रोड़ नंबर एक स्थित अंबेडकर काम्प्लेक्स में सर्वसमाज एकता मंच के बैनर तले सविंधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विशाल वाहन रैली की तैयारियों को लेकर किशनलाल नायक की अध्यक्षता में मीटिंग सम्पन्न हुई। सर्वसमाज एकता मंच के सदस्य राजेश बजाड एवं दलीप डिगरवाल ने बताया कि विशाल वाहन रैली शहर के गांधी चौक से शाम 4 बजे शुरू होकर अंबेडकर पार्क पहुंचेगी। बैठक में शंभू नेहरा, विक्की जाजोरिया, राजेश आलडिया, प्यारेलाल बाकोलिया, सुरेश बाकोलिया, रामसिंह

नावरिया, विजय चावला, रोहित आलडिया,धर्मपाल गहनोलिया, मिथुन टांक, विनोद खन्ना, अंशु नेहरा,सादूराम नेहरा आदि उपस्थित रहे। बैठक के अंत में मंच के संयोजक प्रदीप चंदेल ने आभार व्यक्त किया ओर आगामी मीटिंग 29 मार्च को रखी है।

श्री रघुनाथ अस्पताल में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 621 व्यक्ति हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्री रघुनाथ अस्पताल में रविवार को आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा एवं

परामर्श सेवा शिविर में 627 लोगों ने पंजियन कराया। आयोजित उक्त नि:शुल्क शिविर में निम्स मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जयपुर के चिकित्सकों ने निर्देशक पंकज सिंह, मार्केटिंग मैनेजर श्री जैन व विष्णु कुमावत के निर्देशन में फिजिशियन, दंत चिकित्सक, शिशु रोग, स्त्री रोग, चर्म रोग, एलर्जी, हड्डी रोग,नेत्र रोग आदि विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी । शिविर में सभी को

नि:शुल्क दवा भी दी गई। शिविर में बीपी शुगर ईसीजी आदि डॉक्टर्स की राय पर फ्री उपलब्ध कराई गई। शिविर में 27 मरीजों का चयन किया गया। जिनमें 7 को रविवार को जयपुर भेजा गया। चयनित सभी मरीजों को निम्स अस्पताल जयपुर में नि:शुल्क इलाज किया जायेगा। शिविर में बगड़िया स्कूल व तोदी महाविद्यालय के विधार्थियों ने अपनी सेवाएं दी।

आयोजित शिविर का उद्घाटन बऊ आश्रम के ओमनाथ जी महाराज व श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर के महंत अशोक दास महाराज के कर कमलों से हुआ। अस्पताल के महाप्रबंधक रघुवीर पारीक ने संतों का स्वागत किया। इस अवसर अर्जुन पुरस्कार विजेता सुरेश मिश्रा, थावर मल पुजारी,पवन बुटोलिया,पवन गोयनका, ललित पुरोहित, रतन चिराणिया, ललित भूत, आशकरण शर्मा, सुभाष जोशी, एडवोकेट रविन्द्र पारीक, प्रदीप पारीक, देवकीनंदन पारीक, शम्भू प्रसाद, सन्दीप बजाज, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन व लाभान्वित मौजूद थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि आज मण्डावा आएगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भाजपा नगर मण्डल मंडावा की ओर से सोमवार को सुबह 11 बजे नगर पालिका के निकट महाजन पंचायत भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत मंडावा क्षेत्र के प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरि शिरकत करेगी। प्रशिक्षण वर्ग का उदघाटन पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार करेंगे। यह जानकारी मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी व पूर्व पार्षद संदीप परिहार ने दी ।

मंडावर में ग्राम विकास अधिकारियों की नई कार्यकारिणी का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में रविवार को राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ जयपुर की उपशाखा मंडावर की ब्लॉक कार्यकारिणी के चुनाव शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुए, जिसमें उपस्थित सदस्यों की सहमति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत नई टीम का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखते हुए निर्वाचन अधिकारी मुकेश शर्मा एवं पर्यवेक्षक भूपाल मीना की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई संपन्न कराई गई, जिससे चयन प्रक्रिया को वैधानिक मजबूती और विश्वसनीयता मिली। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष पद पर हिमांशु कुशवाह को जिम्मेदारी

सौंपी गई, वहीं उपाध्यक्ष के रूप में दिनेश खंडेलवाल, ब्लॉक मंत्री के रूप में मनोज मीना, कोषाध्यक्ष पद पर रोहित गोयल तथा जिला प्रतिनिधि के रूप में सत्यप्रकाश शर्मा को निर्वाचित किया गया। इसके साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय बनाए रखने के उद्देश्य से राकेश मीना एवं भीमसिंह मीना को सक्रिय सदस्य के रूप में चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के उपरांत उपस्थित सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी से ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक समन्वय को सुदृढ़ करने तथा ग्राम स्तर पर जनहितकारी योजनाओं की निगरानी को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने भी संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का भरोसा दिलाया।

विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 820 यूनिट रक्तदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

फुले ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश सैनी ने बताया रविवार को माता सावित्री बाई फुले की 129वी एवं नरेश नारायण पितर जी महाराज की 7वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हंस निर्वाण आश्रम गुलाब जी की कोठी मोचीवाड़ा रोड़ सीकर पर किया गया। संभाग प्रभारी नरेश तारा

पैलेस ने बताया की शिविर का शुभारंभ फुले ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश सैनी, हंस निर्वाण आश्रम गद्दी महंत खेतानंद महाराज, महंत दयालदास महाराज,सैनी समाज संस्था अध्यक्ष राजकुमार दईया ने माता सावित्री बाई फुले एवं नरेश नारायण पितर जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन करके किया।जिला अध्यक्ष सुनील घोराणा ने बताया कि रक्तदान शिविर में जयपुर से एसएमएस ट्रॉमा ब्लड बैंक, शांति ब्लड बैंक, सीकर से एसके अस्पताल ब्लेड बैंक,सीकर ब्लड बैंक, गुरुकृपा ब्लड बैंक, शेखावाटी चेरिटेबल ब्लड बैंक ने लगभग 820 यूनिट रक्तदान का संग्रहण किया।जिला प्रभारी रमेश पंवार ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को पर्यावरण संरक्षण के संदेश के प्रतीक पेड़ भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमंजन को दिया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता एडवोकेट रतनलाल सैनी,जिला परिषद सदस्य परमानंद सैनी, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेश सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुनीता गठाला, युवा कांग्रेस नेता गोविंद सैनी, राधाकिशनपुरा सरपंच रामलाल सैनी,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश नागा, समाजसेवी सुशील चिराग,पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी, निवर्तमान चेयरमैन जीवन खा, कॉमेडियन गुरु गणेश,नेता प्रति पक्ष अशोक चौधरी,राहुल सैनी,जितेंद्र कारंगा, दिलीप राजस्थानी, रमेश मंगलम,भाजपा नेता प्रेम सिंह शिवसिंहपुरा, विनोद नटखट, रामलखन कांवट, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महेश शर्मा,भाजपा नेता गोविंदराम कटारिया, जिला उपप्रमुख ताराचंद धायल, जिप सदस्य कानाराम जाट, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सैनी, पार्षद सुरेश डॉन, पार्षद दयाशंकर, विष्णु सिंगोदिया, हेमंत सांखला, प्रेमचंद सिंगोदिया, गगन कटारिया, सुरेन्द्र मारोठिया, गोविंद पटेल, रविकांत तिवाड़ी, युवा नेता सुमित जोशी,भारतीय किसान संघ सीकर जिला अध्यक्ष पूरनसिंह भीमा, जिला मंत्री महेंद्र सिंह खीचड़ आदि ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई की ।शहर अध्यक्ष गगन कटारिया ने आभार जताया।

न्यू ईडन टैलेंट सर्च एग्जाम में उमड़ा विद्यार्थियों का उत्साह, 21 लाख तक की स्कॉलरशिप का मौका

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

स्थानीय न्यू इंडियन एजुकेशन ग्रुप द्वारा संचालित न्यू ईडन स्कूल में रविवार को आयोजित टैलेंट सर्च एग्जाम उत्साह और व्यवस्थित संचालन के साथ ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा में विद्यार्थियों और अभिभावकों का उत्साह देखने लायक रहा। परीक्षा के लिए कुल 497 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 256 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही विद्यार्थियों में जोश और आत्मविश्वास नजर आया। न्यू ईडन स्कूल के निदेशक डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को सही दिशा और मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रतिवर्ष इस प्रकार की परीक्षा आयोजित करता है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के अवसर मिल सकें और उनकी आर्थिक स्थिति उनकी पढ़ाई में बाधा न बने।

21 लाख तक की स्कॉलरशिप योजना

न्यू ईडन गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनीता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह परीक्षा 21 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप योजना के अंतर्गत आयोजित की गई है। इससे मेधावी विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और परीक्षा पूरी तरह सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन में संयोजक विजय सिंह और विजेंद्र कुमार का विशेष योगदान रहा। विद्यार्थियों के आवागमन के लिए स्कूल प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। स्कूल बसों के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित रूप से उनके घरों तक पहुंचाया गया, जिससे अभिभावकों ने भी संतोष जताया। परीक्षा के दौरान अभिभावकों का विद्यालय के प्रति विश्वास और विद्यार्थियों का उत्साह साफ नजर आया। पूरे आयोजन में अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया।

स्टाफ का सराहनीय सहयोग

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार यादव, न्यू इंडियन इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रधानाध्यापिका पिंकी, संस्था अध्यक्ष सरिता सहित स्टाफ सदस्य विजेंद्र कुमार, सोमवीर सिंह, मुकेश कुमार, ममता, रचना, रविंद्र कुमार, प्रीतम कुमार सैनी, चेतना, निजामुद्दीन, पूनम, सुशीला, सुनीता सिंह, संजू, मनीषा सहित अन्य ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। विद्यालय प्रशासन ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

जटवाड़ा में नवविवाहिता की मौत के मामले में पीहर पक्ष ने पति सास-ससुर व देवर के खिलाफ कराया हत्या का मुकदमा दर्ज

मेडिकल बोर्ड से कराया गया पोस्टमार्टम, एफएसएल टीम ने की घटनास्थल की जाँच पीहर में पसरा मातम

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना इलाके के जटवाड़ा गांव में शनिवार को संदिग्ध हालात में हुई नवविवाहिता की मौत रविवार को पूरे घटनाक्रम के नए खुलासों के साथ हत्या के मामले में तब्दील हो गई। जिस घटना को शुरुआत में ससुराल पक्ष आत्महत्या बता रहा था, वहीं अब पीहर पक्ष की रिपोर्ट के बाद मामला दहेज प्रताड़ना से बढ़कर सुनियोजित हत्या के आरोपों तक पहुंच गया है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका कोमल मीना की मां प्रेमदेवी निवासी गनीपुर ने मंडावर थाने में दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री कोमल मीना को विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा लगातार दहेज की मांग को लेकर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उसने बताया कि 12 मई 2025 को जटवाड़ा निवासी सचिन मीना के साथ

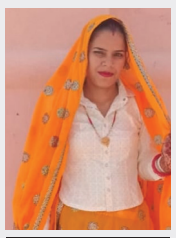
मृतका कोमल मीना

थानाधिकारी को रिपोर्ट सौपने के बाद मोर्चरी के बाहर पीहरपक्ष के लोग।

हुए विवाह में करीब 31 लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन इसके बावजूद पति सचिन, सास सुनीता देवी, ससुर दिनेश मीना और देवर अमन मीना द्वारा उसकी बेटी कोमल के साथ लगातार मारपीट, उत्पीड़न और जान से मारने की धमकियां दी जाती रही। करीब छह माह पूर्व कोमल के पति सचिन मीना के द्वारा गनीपुर में आकर उससे 6 लाख 50 हजार रुपये ले जाने का आरोप भी रिपोर्ट में लगाया गया है, जिसे दहेज की मांग का स्पष्ट प्रमाण बताया गया है।

घटना से पहले भी कोमल ने अपनी मां को फोन कर कुछ दिन से लगातार उसके साथ गंभीर मारपीट और अत्याचार की जानकारी दी गई थी। मृतका की माँ ने बताया कि 21 मार्च की शाम जैसे ही बेटी कोमल की मौत की सूचना मिली और यह पता चला कि साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किया जा रहा है, तो पीहर पक्ष ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और मौके पर पहुंचकर ऐसा करने का विरोध जताया। नही मानने पर पीहर पक्ष के द्वारा स्थानीय मंडावर पुलिस को सूचित किया गया तब स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंडावर पुलिस ने शीघ्र ही मौके पर पहुंचकर चिता से शव उतरवाया और अंतिम संस्कार रुकवाते हुए शव को सीएचसी मंडावर की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया। रविवार सुबह मोर्चरी परिसर में पीहर पक्ष के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां मृतका की मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों की मांग पर पुलिस ने मेडिकल बोर्ड का गठन कर पोस्टमार्टम कराया, जिसमें डॉ. प्रहलाद मीना, डॉ. अशोक मीना और डॉ. मनीषा मीना की टीम ने शव का परीक्षण किया। पोस्टमार्टम के बाद शव पीहर पक्ष को सौंप दिया गया, जिसे गनीपुर ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। गांव में शनिवार शाम से ही ऐसा गमगीन माहौल रहा कि पूरे गांव में चूल्हे तक नहीं जले और हर व्यक्ति शोक में डूबा नजर आया। बताया जा रहा है कि मृतका 11 बहनों में सबसे छोटी थी और परिवार में कोई भाई नहीं है, जिससे इस घटना ने पूरे क्षेत्र को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया है। उक्त मामले में मंडावर पुलिस ने पति, सास, ससुर और देवर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच महवा सीओ मनोहरलाल मीना को सौंपी गई है। वहीं एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं।

इनका कहना है-?

पीहर पक्ष द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। परिजनों की मांग पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा दिया गया है तथा एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया जा चुका है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

मनोहरलाल मीना, जांच अधिकारी एवं सीओ महवा

रविवार सुबह विवाहिता का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है, मृतका की मां द्वारा दी गई रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले में नियमानुसार कार्रवाई जारी है।

प्रवीण कुमार मीणा, थानाधिकारी, मंडावर

रेवाड़ी-जयपुर नई रेल लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण की मंजूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने रेवाड़ी से जयपुर के बीच नीमराणा होते हुए नई रेल लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (FLS) की मंजूरी दे दी है। इस परियोजना की लंबाई 191 किलोमीटर होगी और इसका कुल खर्च 5.73 करोड़ रुपये होगा, जो केवल अंतिम स्थान सर्वेक्षण के लिए है। रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2026/W-I/NWR/FLS PROPOSAL (E-3525740) के अनुसार, नई दिल्ली में दिनांक 21.03.2026 को महाप्रबंधक, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जयपुर को सूचित किया गया है कि रेवाड़ी-जयपुर नई लाइन (नीमराणा के रास्ते, 191 किमी) के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (FLS) करने की मंजूरी दी गई है। इस सर्वेक्षण की कुल लागत 5.73 करोड़ रुपये होगी, जिसका उपयोग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करने के लिए किया जाएगा।

सर्वेक्षण परियोजना के विवरण के अनुसार, परियोजना का नाम रेवाड़ी-जयपुर नई लाइन (नीमराणा के रास्ते) है, जिसकी लंबाई 191 किमी और लागत 5.73 करोड़ रुपये है। व्यय का प्रभार डिमांड नंबर 85 - मेजर हेड 3001 - भारतीय रेलवे नीति निर्माण, निर्देशन, अनुसंधान और अन्य विविध संगठनों (अन्य व्यय सामान्य) - अनुबंध 'ए' - सर्वेक्षण के तहत होगा। यह पत्र वित्त निदेशालय के अनुमोदन के साथ जारी किया गया है और हस्ताक्षरकर्ता अभिषेक जगवत, निदेशक/गति शक्ति (सिविल)-II, रेलवे बोर्ड हैं। पत्र की प्रति पीएफए, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जयपुर; प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जयपुर; और उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (रेलवे), रेल भवन, नई दिल्ली को भेजी गई है। इसके अलावा, पत्र की प्रति मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (कॉन.), नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, जयपुर; और ईडी/जीएस (एफ), ईडीएफ(बी), वर्क्स-I, वर्क्स-II और डब्ल्यूडीओ शाखाएं, रेलवे बोर्ड को अग्रेषित की गई है।

टोहाना में 27वें विशाल जागरण में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की शिरकत

संकट मोचन श्री बाला जी मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, देर रात तक गूंजे भक्ति गीत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शहर के कैंची चौक स्थित संकट मोचन श्री बाला जी मंदिर में 27वें विशाल जागरण का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और भगवान बाला जी के दर्शन कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की

शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, भजन गायकों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर सुभाष बराला ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति के समर्पण, अनुशासन और बेहतर प्रबंधन की विशेष रूप से अशोक पकोड़े वाले हलवाई की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों को बधाई दी।

लेफ्टिनेंट सुनील जांगिड़ का गांव नाघोड़ी में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

गांव नाघोड़ी में लेफ्टिनेंट सुनील जांगिड़ का भव्य स्वागत किया गया। सुनील जांगिड़ ने आर्मी मेडिकल कोर में कमीशन प्राप्त कर लेफ्टिनेंट का पद हासिल किया है, जिससे पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। सुनील जांगिड़ ने 2019 में सिपाही के रूप में सेना में भर्ती होकर अपनी सेवा शुरू की थी। अपनी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने अक्टूबर 2025 में लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त किया, जो युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। सुनील के पिता एक्स सर्विसमैन नायब सूबेदार शेर सिंह ने बताया कि उनका बेटा शुरू से ही मेहनती और अनुशासित रहा है। उन्होंने कहा कि सुनील ने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है। परिवार की सैन्य पृष्ठभूमि भी प्रेरणादायक रही

है–उनके पिता मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं तथा बड़े भाई लोकेश भी आर्मी मेडिकल कोर में सेवाएं दे रहे हैं। स्वागत समारोह में ग्रामवासियों ने सुनील जांगिड़ का माला पहनाकर, साफा बांधकर एवं मोमेंटो देकर जोरदार स्वागत किया। एक्स सर्विसमैन लीग, नीमराना की ओर से भी उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुंडावर विधायक ललित यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, कैप्टन शिवराज सिंह, कैप्टन शेरसिंह, वीरेंद्र सिंह निदेशक सतीश हॉस्पिटल रेवाड़िया, संजय नंबरदार, हवलदार रामेर सिंह, सूबेदार जसवंत यादव, पूर्व सरपंच सतीश मुद्गल, अशोक मुद्गल, समाजसेवी कर्मपाल चौहान, एडवोकेट रविंद्र सामरिया, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष संजय यादव, संदीप उमरावगढ़, उपाध्यक्ष महावीर चर्खिया, वीरेंद्र मास्टर, कैप्टन छोटा सिंह, ताराचंद, विधानसभा अध्यक्ष अनूप यादव, दलीप मुनीम, नित्यानंद, सतीश मास्टर, कवर सिंह, बाबूलाल हवलदार, कैप्टन अमरसिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सुनील जांगिड़ के पिता शेर सिंह ने सभी ग्रामवासियों एवं बाहर से आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा सभी के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

रामनवमी पर्व तैयारी को लेकर सर्व हितैषी व्यायाम शाला परिसर में कार्यकर्ताओं की बैठक

कार्यकर्ताओं को सौंपी अलग अलग जिम्मेदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पर्यटन नगरी मंडावा कस्बे में 26 मार्च को होने वाले राम नवमी जुलूस ओर शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर सर्व हितैषी व्यायाम शाला परिसर में पीताम्बर मिश्रा की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ओर गणमान्य लोगों की बैठक आयोजित की गई। पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी, बालकिशन भाटीवाडा, नरेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 मार्च को राम नवमी पर्व को लेकर बैठक आयोजित कर उपस्थित कार्यकर्ताओं ओर प्रबुद्ध जनों को अलग अलग जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने बताया कि सर्व हितैषी व्यायाम शाला द्वारा हर वर्ष शोभायात्रा का कार्यकर्ता किया जाता है। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा अखाड़ा परिसर में शुरू होकर सुभाष चौक, मुख्य बाजार, फतेहपुर स्टैंड होते हुए व्यायाम शाला पर सम्पन्न होती है। इस अवसर पर पीताम्बर मिश्रा,

शर्मा रविन्द्र शर्मा, कैलाश पीपलवा,चंद्र प्रकाश सेन, सुरेश पालड़ीवाला, संदीप सिंह, जगदीश चौहान,संदीप शर्मा, संत कुमार चौपदार, मधुसूदन स्वामी, आशीष कालोया, अरविंद भूकान, रामस्वरूप जोशी भरत शर्मा, हिमांशु शर्मा, तेजपाल नुवाल, राजेश रणजीरोत, लूना राम सैनी, पंकज शेखावत, रामस्वरूप देवड़ा, परमेश्वर चेजारा, विष्णु दत्त जोशी, नरेश सोनी, नरेश मिश्रा, बालकिशन भाटीवाडा, पंकज पाशुपति विनीत चांवरिया लखन चंदेलिया, सचिन मोजासिया शंकर गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

काजड़ा में प्रथम गणगौर सवारी पर उमड़ा जन सैलाब, लोक संस्कृति के रंगों में रंगा गाँव

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

शेखावाटी की चर्चित ग्राम पंचायत काजड़ा में पहली बार आयोजित गणगौर की शाही सवारी ने नया इतिहास रच दिया है। राजपूत परिवारों के सौजन्य से निकाली गई इस भव्य शोभायात्रा को देखने के लिए समूचे क्षेत्र से भारी जन सैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुर भीम सिंह शेखावत व ठाकुर विजय सिंह शेखावत के आवास पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद ईशर-गणगौर की प्रतिमाओं को बग्गी पर विराजमान किया गया। शोभायात्रा में 11 घोड़ियों और ऊंटों का हैरतअंगेज नृत्य मुख्य आकर्षण रहा, जिसे देख ग्रामीण मंत्रमुग्ध हो गए। सवाई सिंह मोरवा की टीम के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब वाहवाही बटोरी। गाँव के मुख्य मार्गों से गुजरते समय जगह-जगह पुष्प वर्षा कर सवारी का

स्वागत किया गया। सुहागिनों और नवविवाहिताओं ने माता पार्वती व भगवान शिव रूपी गणगौर-ईशर की पूजा कर अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना की। डीजे की धुनों पर थिरकते ग्रामीणों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया। शोभायात्रा का समापन प्राचीन ऐतिहासिक तालाब पर विसर्जन के साथ हुआ। पिलानी पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था ने आयोजन को सुचारू बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रशासक मंजू तंवर, शिक्षाविद् राय सिंह शेखावत, मनजीत सिंह तंवर सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में आयोजक परिवारों ने ऐतिहासिक सफलता के लिए समस्त ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में जे-स्मार्ट प्रतियोगिता आयोजित, विजेताओं को मिलेगी 51 हजार तक की स्कॉलरशिप

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

रविवार को जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में जे-स्मार्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता

की जानकारी देते हुए राहुल शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के निदेशक रितेश मील ने कहा कि संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास करना है। प्रतियोगिता में सैनिक एवं मिलिट्री परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 51 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप दी जाएगी, साथ ही अन्य स्तरों पर भी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर जीवनी एजुकेशन ग्रुप के चेयरपर्सन सांवरमल मील ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम और सफलता के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अनुशासन के साथ परीक्षा दी। उपप्रधानाचार्या दीपा शर्मा ने अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अखिल भारत हिंदू महासभा की जिला बैठक संपन्न, चिड़ावा में महिला शक्ति और पदाधिकारियों का हुआ भव्य अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राष्ट्रवाद और सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ अखिल भारत हिंदू महासभा की जिला स्तरीय बैठक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्ययोजना और लोक कल्याणकारी नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रणीत गुप्ता (विपुल) ने की। बैठक का मुख्य आकर्षण नवनियुक्त और सक्रिय पदाधिकारियों का सम्मान समारोह रहा। चिड़ावा नगर कार्यकारिणी को गति देने के लिए महिला विंग की नवनियुक्त नगर अध्यक्ष सुमन कटेवा एवं नगर उपाध्यक्ष रेखा पांडे का उपस्थित अतिथियों ने माल्यार्पण, साफा पहनाकर और मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान 'जय श्री राम' के उद्घोष से हॉल गूंज उठा।जिला अध्यक्ष प्रणीत

गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि महासभा का मुख्य ध्येय समाज में सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की सेवा करना है। इस अवसर पर कार्यकारी जिला अध्यक्ष (महिला) रमेश देवी, हिंदू युवक सभा के जिला अध्यक्ष नरेश धाबाई और जिला उपाध्यक्ष ऋतिक चंदेलिया ने भी संगठन विस्तार पर अपने विचार साझा किए। चिड़ावा नगर अध्यक्ष सुदीप कटेवा और उपाध्यक्ष अमित वर्मा ने नगर में होने वाले आगामी सेवा कार्यों का खाका प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कविता पूनिया (हरू) एवं मंजू नेहरा ,सरिता सिंघल (संचालिका, सेवन ज्वेल्स स्कूल) विमलेश गुप्ता (अध्यापिका) राजेश पांडे आदि की उपस्थिति रही।

सीआईए टोहाना की बड़ी कामयाबी : मोहम्मद अली हत्याकांड मामले में चौथा आरोपी काबू

दो साल पुराने मर्डर केस में पुलिस की बड़ी सफलता, चौथा आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के मार्गदर्शन में पुराने व लंबित आपराधिक मामलों के निस्तारण हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जून 2023 के चर्चित मोहम्मद अली उर्फ काला हत्याकांड मामले में चौथे आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान गोविंद शर्मा पुत्र महेंद्र सिंह निवासी मनाना, जिला पानीपत के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि

दिनांक 30 जून 2023 को दर्शना निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना ने शिकायत दी थी कि उसका पुत्र मोहम्मद अली उर्फ काला, जो पेशे से ड्राइवर था, दिनांक 24 जून 2023 से लापता है। इस शिकायत पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 360/2023 के तहत प्रारंभ में धारा 346 भा.दं.सं. के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गहन जांच, तकनीकी साक्ष्यों (सीसीटीवी फुटेज) के विश्लेषण तथा मुखबिरों से प्राप्त सूचना के आधार पर जांच के दौरान यह सामने आया कि मोहम्मद अली की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद मामले में धारा 302, 297, 201 व 34 भा.दं.सं. की धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले ही तीन आरोपियों को काबू कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अब सीआईए टोहाना की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में चौथे आरोपी को भी काबू कर लिया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। मामले की जांच जारी है।

भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति की कार्यकारिणी बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम शाहजहांपुर मे रविवार को अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार जी की अध्यक्षता में श्याम वाटिका में भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई। इस बैठक में समिति के सचिव मनोज कुमार ने निम्न बिंदुओं से अवगत करवाया। सबसे पहले, पुरानी चन्दा रसीदें जो कि पुराने प्रपत्र से छपी थीं, उन रसीद बुकों में रखी रसीदों को निरस्त किया जाएगा। इसके अलावा, नई चन्दा रसीदें नये प्रपत्र से नए रजिस्ट्रेशन संख्या से छपाई गई हैं। साथ ही, अम्बेडकर सेवा समिति के रोकड पजिंका के अनुसार शेष राशि के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा शाहजहांपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेवा समिति के नाम से खाता खुलवाया गया है। शेष राशि इस बैंक खाते में जमा करवा दी जाएगी। इसके बाद, 14,अप्रैल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाने के लिए एक नया प्रस्ताव लिया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाने का प्रस्ताव लिया गया। समारोह को सुचारू रूप से मनाने के लिए एक नवचयन कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक विशेष समिति बनाई गई है। सर्व समिति से नवचयन कार्य कारिणी में रामप्रसाद पुत्र रामेश्वर दयाल, किशनचन्द पुत्र हीरालाल, पंकज राय पुत्र पृथ्वीराय, पंकज बोहरा पुत्र महेन्द्र कुमार, भुपेश पुत्र सुभाष चन्द, प्रदीप पुत्र रामावतार, जय सिंह पुत्र रामावतार, संदीप पुत्र सन्तलाल, शिव राय पुत्र राजेश राय, मनीष राय पुत्र नन्दराम, प्रदीप राय पुत्र विनोद राय, मनीष राय पुत्र सुरेन्द्र राय (गोरखी), नितिन राय पुत्र पुरणराय, पवन पुत्र फकीर चंद आदि को इस बैठक में लिए गए निर्णयों से समिति के कार्यों में और अधिक सुचारूता एवं पारदर्शिता आएगी, और डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती का समारोह भव्य रूप से मनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

तेहरान, एजेंसी। दुनियाभर में ईद का जश्न शुरू हो चुका है। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है, जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। ईरान में ईद बाजार वीरान नजर आए। वहीं कतर, ओमान और कुवैत जैसे देशों में खुले मैदानों में नमाज पढ़ने पर रोक लगा दी गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद-उल-फितर के अवसर पर जंग में अस्थायी विराम की घोषणा की। जंग को 5 दिनों के लिए रोक दिया गया है। यह कदम सऊदी अरब, तुर्किए और कतर की अपीलों के बाद उठाया गया है। सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार नेप कहा कि यह सीजफायर 18/19 मार्च की रात से 23/24 मार्च की रात तक लागू रहेगा। हालांकि, किसी भी सीमा पार हमले, ड्रोन हमले या पाकिस्तान में आतंकवादी घटना होने पर ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

पोलैंड ने सुरक्षा चिंताओं के बीच इराक से अपने सैनिकों को वापस बुलाया

वारसॉ, एजेंसी। मध्य पूर्व में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच पोलैंड ने इराक से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक कामिश ने इसकी घोषणा की। यह निर्णय परिचालन स्थितियों और संभावित जोखिमों के आकलन के बाद लिया गया। कोसिनियाक कामिश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। शिन्हुआ के अनुसार, पोलिश प्रेस एजेंसी के हवाले से इराक में अधिकतम 350 पोलिश सैनिक तैनात थे। इस दल को जॉर्डन, कतर और कुवैत में भी संचालन की अनुमति थी। कोसिनियाक कामिश ने आगे बताया कि अधिकांश कर्मी पहले ही पोलैंड लौट चुके हैं या वापस आने के रास्ते में हैं जबकि कुछ को अपना मिशन जारी रखने के लिए जॉर्डन स्थानांतरित किया गया है। इस बीच, इराक में नाटो मिशन ने भी सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने कर्मियों की अस्थायी वापसी शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ सुरक्षा स्रोत ने शुक्रवार को इराकी न्यूज एजेंसी (आईएनए) को यह जानकारी दी। सूत्र ने इस कदम को जारी संघर्ष और मिशन सदस्यों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण उठाया गया अस्थायी उपाय बताया। आईएनए के अनुसार युद्ध समाप्त होने और इराक में सुरक्षा स्थिति स्थिर होने पर वे वापस लौट आएंगे। गैर-लड़ाकू सलाहकार नाटो मिशन इराक 2018 में इराकी सरकार के अनुरोध पर स्थापित किया गया था, ताकि उसके सुरक्षा क्षेत्र को मजबूत किया जा सके। यह अस्थायी वापसी 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई, जिसमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने मध्य पूर्व में इजराइल और अमेरिकी ठिकानों तथा संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें शुरू कीं।

जेलेंस्की ने अमेरिका भेजा प्रतिनिधिमंडल, फिर तेज हुईं त्रिपक्षीय वार्ता की कोशिशें

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा है, ताकि उनके देश पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के लिए थमी हुई वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके। वहीं, क्रेमलिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि मॉस्को और कीव के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता का नया दौर जल्द शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, त्रिपक्षीय वार्ता में अभी तक अहम मुद्दों पर कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। यह वार्ता रुकी हुई है, क्योंकि ईरान युद्ध दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। जेलेंस्की जल्द वार्ता शुरू करना चाहते हैं और उन्होंने गुरुवार शाम कहा कि उन्होंने प्रतिनिधियों को अमेरिका भेजा है, जिनकी शनिवार को बैठक होने की उम्मीद है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने किसी बैठक की पुष्टि नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस उन वार्ताओं में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नए त्रिपक्षीय बैठक का समय और स्थान अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह विराम अस्थायी है, हम उम्मीद करते हैं कि त्रिपक्षीय प्रारूप की वार्ता फिर शुरू होगी। पश्चिमी यूरोपीय अधिकारियों ने पिछले साल कई बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर वार्ता में देरी करने का आरोप लगाया। पुतिन अपनी सेना का उपयोग करके अधिक यूक्रेनी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस की सेना यूक्रेन के लगभग 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुकी है। 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले शुरू किए।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना सदर रतिया पुलिस का सघन तलाशी अभियान

डॉग स्क्वॉड व कमांडो टीम के साथ थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ व्यापक कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशे के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार सख्त एवं प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में थाना सदर रतिया पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें डॉग स्क्वॉड तथा कमांडो टीम का विशेष सहयोग लिया गया। अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों की जांच तथा आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना को मजबूत करना रहा। तलाशी अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, गली-मोहल्लों, संदिग्ध ठिकानों व आवागमन वाले मार्गों पर गहन जांच की गई। डॉग स्क्वॉड की सहायता से नशीले पदार्थों की संभावित मौजूदगी वाले स्थानों को विशेष रूप से खंगाला गया, वहीं कमांडो टीम द्वारा क्षेत्र में सतर्क निगरानी रखी गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया तथा नशे से दूर रहने की अपील की। साथ

ही आमजन को यह संदेश भी दिया गया कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों की तस्करी या बिक्री से संबंधित कोई सूचना हो, तो वे तुरंत पुलिस को अवगत कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत चलाया गया यह अभियान न केवल नशे के खिलाफ सख्त संदेश देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि फतेहाबाद पुलिस नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पुलिस प्रशासन द्वारा आगे भी इसी प्रकार के अभियान निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सके और जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके।

विजय पाल रोहिल्ला नामदेव समाज समिति अटेली के खंड प्रधान बने

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । श्री नामदेव समाज समिति अटेली खंड की रविवार को कार्यकारिणी का गठन स्थानीय हनुमान मंदिर बिजली निगम कार्यालय परिसर में किया गया। जिसमें रोहिल्ला समाज से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यकारिणी के गठन से पूर्व राहिल्ला समाज की कुरीतियों को दूर करने व राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का संकल्प लिया गया। बैठक में मंडी अटेली निवासी विजय पाल रोहिल्ला को सर्वसम्मति से अटेली खंड का प्रधान चुना गया। यह चुनाव श्री नामदेव समाज समिति नारनौल के पूर्व प्रधान बाबूलाल वर्मा, सदस्य सुभाष रोहिल्ला व अटेली के प्रधान ओमप्रकाश वर्मा की देख-रेख में हुए चुनाव में उप प्रधान गुजरवास गांव के लक्ष्मीचंद बने, सचिव अटेली मंडी के दिनेश कुमार, उप सचिव चंदपुरा के अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष अटेली के सुनिल कुमार , संगठन कर्ता सिलारपुर के पवन रोहिल्ला, मीडिया प्रभारी राकेश पेंटर का सर्वसम्मति से चुना गया। इसके अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों में महासर से हरिओम रोहिल्ला, अटेली मंडी से राहुल लखमरा शामिल है। इस मौके पर नवनियुक्त प्रधान विजय पाल रोहिल्ला ने कहा कि समाज के लोगों ने यह जिम्मेदारी दी इसके बखूबी निभाउंगा। समाज में एकता स्थापित करने के लिए हर समय निष्ठावान रहूंगा। भारत वर्ष को वैज्ञानिक व तार्किक दृष्टिकोण को अपना कर देश के लिए विशेष कार्य करेंगे। इस मौके पूर्व उपजिला प्रधान किशोरी लाल रोहिल्ला, नरेश ग्राम सचिव, पूर्व उप प्रधान प्रमोद रोहिल्ला, मुरारी लाल मास्टर, राकेश बाबू, तोताराम सिलारपुर, प्रमोद बेदी, सत्यनारायण पूर्व सरपंच, रमेश रोहिल्ला भौड़ी, इंद्र रोहिल्ला, राजु टैंट वाला, धर्मेंद्र तिगरा, विक्रम वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि विजय पाल रोहिल्ला प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन अटेली के प्रधान भी है।

शहीदी दिवस पर आज अटेली के झंडा चौक से नशा मुक्ति यात्रा निकाली जाएगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । शहीद -ए-आजम भगत सिंह सेवा समिति अटेली के तत्वावधान में शहीदी दिवस पर 23 मार्च आज अटेली के झंडा चौक से नशा मुक्ति यात्रा झंडा यात्रा निकाली जाएगी। यह पड़ोसी गांव नांगल के प्राथमिक स्कूल तक निकाली जाएगी। प्राथमिक स्कूल में भगत सिंह के जीवन एवं शहादत पर व्याख्यान होगा । शहीद-ए-आजम भगतसिंह सेवा समिति के प्रधान अरूण ने बताया कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य शहीद-ए-आजम भगत सिंह सहित दूसरे शहीदों को याद कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना है। प्रधान ने बताया कि समिति हाल में ही रजिस्टर्ड हुई है जिसमें जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराना होगा। इसके अलावा गरीब परिवारों को भोजन और कपड़ों की सहायता, समाज में शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाना, युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित व गरीब बच्चों की शादी में आर्थिक सहायता प्रदान करना है

समाज सेविका दिवंगत लक्ष्मी देवी की श्रद्धांजलि सभा में अनेक गणमान्य लोग पहुंचे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । समाज सेविका दिवंगत लक्ष्मी देवी पत्नी रामधन रंगा की सोमवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के विभिन्न बिरादरी के लोगों ने हिस्सा लेकर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किये। उनके बड़े पुत्र जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ नरेंद्र पाल रंगा को परिवार की जिम्मेदारी की पगड़ी पहनायी। एडवोकेट अतरलाल नेता जी व समाजसेवी गजेसिंह चोपड़ा ने सभा में कहा कि आजादी से पूर्व जन्म लेने वाली लक्ष्मी देवी ने अपनी मेहनत के बल पर अपने पांचों बच्चों का शिक्षित करने के साथ एक अच्छा नागरिक बनाया। इनके दोनों लडक़ ो में एक एसडीओं व एक जेई के रूप में अपना कार्य कर रहे है। श्रद्धांजिल सभा में समाज सेवी एडवोकेट अतरलाल नेता जी, समाज सेवी गजेसिंह चौपड़ा, रणबीर सिंह आर्य, अनिल फ ांडन, प्रधान छोटेलाल, पार्षद प्रतिनिधि बिरेंद्र कुमार, पूर्व उपजिला प्रमुख सुनीता वर्मा, मास्टर सत्यबीर, चंदगी बाबू, इंद्राज बजाड़, जगत सिंह, प्रधान तोताराम कोहली, ओमप्रकाश मांडैया, जसवंत भाटी, कमांडेंट किशन लाल, रोशनी देवी पूर्व सरपंच, आशाराम बिहाली समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि उनका निधन 12 मार्च को हो गया था तथा उनका जन्म आजादी से पूर्व 1938 में हुआ था। दिवंगत लक्ष्मी देवी के पुत्र नरेंद्र पाल रंगा, राजपाल रंगा ने कहा कि उनकी माता-पिता ने हमे पढ़ा लिखा कर कामयाब किया उनके पदचिन्हों पर चल कर बेहतर समाज में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

ट्रम्प बोले- ईरान को तबाह कर रहे, सीजफायर नहीं करेंगे, मुझे लगता है हम जीत चुके, उनकी नेवी, एयरफोर्स, एयर डिफेंस सब खत्म

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि अमेरिका ईरान के साथ सीजफायर नहीं करेगा। उन्होने कहा, 'बातचीत हो सकती है, लेकिन लड़ाई रोकने का इरादा नहीं है।' ट्रम्प ने कहा, 'जब आप दूसरे पक्ष को पूरी तरह तबाह कर रहे होते हैं, तब सीजफायर नहीं किया जाता।' ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की सैन्य ताकत को काफी हद तक खत्म कर दिया है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है हम जीत चुके हैं। हमने उनकी नेवी, एयरफोर्स, एयर डिफेंस सब खत्म कर दिए हैं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि ईरान अब भी होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट डाल रहा है। होर्मुज को लेकर ट्रम्प ने कहा कि इसे खोलना

मुश्किल नहीं है, लेकिन इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा। उन्होंने नाटो देशों की आलोचना करते हुए कहा कि वे अब तक मदद के लिए आगे नहीं आए हैं।

ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर बताया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा है कि नाटो देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं, और हम इसे याद रखेंगे।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले- बोर्ड ऑफ पीस ट्रम्प का निजी प्रोजेक्ट बन गया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि यूएन, ट्रम्प के बोर्ड ऑफ पीस के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है, लेकिन केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व में चल रही पहल को प्रभावी तरीका नहीं मानता।

पोलिटिको को दिए इंटरव्यू में गुटेरेस ने कहा कि मौजूदा समय में यह एक तरह से ट्रम्प का निजी प्रोजेक्ट बन गया है, जिसमें पूरा नियंत्रण उनके पास है। उन्होंने कहा, 'यह हमारे सामने मौजूद गंभीर समस्याओं को हल करने का प्रभावी तरीका नहीं है। हमें अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल्यों को स्पष्ट रूप से ध्यान में रखना होगा, जो किसी भी शांति पहल के लिए जरूरी हैं।' हालांकि, गुटेरेस ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र बोर्ड ऑफ पीस द्वारा बनाई गई संरचनाओं के साथ काम कर रहा है। खासकर गाजा के पुनर्निर्माण पर। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद ट्रम्प से बात की है, तो उन्होंने साफ कहा, नहीं।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री अगले महीने भारत आएंगे

ढाका, एजेंसी। अंतरिम सरकार के दौरान बिगड़े भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय रिश्ते वापस पटरी पर लौटने के आसार हैं। बांग्लादेश की नवनिर्वाचित तारिक रहमान सरकार के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले महीने के पहले हफ्ते भारत आएंगे। शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर की भारत स्थित बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह की मुलाकात के बाद ये जानकारी सामने आई है।

गौरतलब है कि बीते साल के अंतिम दिन पूर्व पीएम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने बांग्लादेश गए जयशंकर ने अपने बांग्लादेशी समकक्ष को भारत आने का न्योता दिया था। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह मुलाकात आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्री रहमान 8 अप्रैल को हिंद

महासागर सम्मेलन में शिरकत करने के क्रम में दिल्ली होते हुए मॉरीशस जाएंगे। इससे पूर्व भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के गठन का स्वागत किया था और प्रधानमंत्री मोदी ने तब बीएनपी के मुखिया और वर्तमान पीएम तारिक रहमान को फोन कर बधाई दी थी। बाद में उनके शपथ ग्रहण में शामिल होने बांग्लादेश गए लोकसभा स्पीकर ने पीएम रहमान को मोदी का पत्र सौंपा था, जिसमें उन्हें भारत आने का न्यौता दिया गया था।

ऊर्जा संकट के बीच बढ़ी नजदीकी : यूं तो नई सरकार के गठन के बाद से ही दोनों ओर से द्विपक्षीय संबंधों को पटरी पर लाने की पहल हुई, मगर इसमें पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट ने भी अहम भूमिका निभाई। इस दौरान बांग्लादेश ने भारत से 50 हजार टन डीजल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। भारत इस अनुरोध के मद्देनजर पहली खेप के तहत 5,000 टन डीजल भेजने के साथ उपलब्धता के आधार पर और मदद करने के संकेत दे चुका है।

अंतरिम सरकार में रहते भी की थी संबंध बेहतर करने की पहल : अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहते विदेश मंत्री रहमान ने दोनों देशों के बिगड़ते रिश्ते को ठीक करने की पहल की थी। तब दिल्ली दौरे पर आए रहमान ने एनएसए अजित डोभाल से बात की थी। गौरतलब है कि रहमान इकलौते शख्स हैं, जिन्हें अंतरिम सरकार के साथ नई सरकार में भी शामिल होने का अवसर मिला।

धीरे-धीरे आगे बढ़ने की रणनीति... दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मुद्दा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यार्पण का है। हालांकि संकेत हैं कि इस मुख्य मुद्दे से पहले दोनों देश अन्य मामलों में नरमी लाने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। इस क्रम में इस दौरे को भी देखा जा रहा है।

रूस के बाद अब ईरान से तेल खरीद पर हटा प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने समुद्र में फंसे ईरानी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन ने एक महीने के लिए विशेष अनुमति देते हुए इन प्रतिबंधों को 19 अप्रैल तक स्थगित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह राहत उन तेल खेपों पर लागू होगी, जो शुक्रवार तक जहाजों में लोड की जा चुकी थीं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह कदम बढ़ती तेल कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि वह अपने जवाबी हमलों का दायरा बढ़ाकर दुनिया भर के पर्यटन और मनोरंजन स्थलों को भी निशाना बना सकता है। क्या ईरान पर कम होंगे अमेरिका-इस्राइल के हमले? इसी दौरान अमेरिका ने पश्चिम एशिया में और अधिक युद्धपोत और मरीन तैनात करने की घोषणा की। हालांकि कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उनका प्रशासन क्षेत्र में सैन्य अभियान को कम करने पर विचार कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया, जब तेल कीमतों में उछाल के कारण अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। युद्ध के बीच विरोधाभासी संकेत सामने आ रहे हैं और संघर्ष थमता नजर नहीं आ रहा है। ईरान ने इस्राइल और खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है, जब क्षेत्र में धार्मिक महत्व का दिन मनाया जा रहा था और ईरान में लोग पारंपरिक नववर्ष नवरोज का उत्सव मना रहे थे।

दुनियाभर में गहरा रहा ऊर्जा संकट : ईरान से सीमित जानकारी सामने आने की वजह से यह साफ नहीं है कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों से उसके परमाणु, सैन्य या ऊर्जा ठिकानों को कितना नुकसान हुआ है। ये हमले 28 फरवरी से जारी हैं। हालांकि, ईरान के हमलों के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे न केवल पश्चिम एशिया बल्कि वैश्विक स्तर पर खाद्य और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। अमेरिका और इस्राइल ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। इनमें ईरान के नेतृत्व को कमजोर करने के साथ उसके परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को खत्म करना शामिल है। इन तमाम वजहों के बाद भी ईरान में फिलहाल न तो किसी बड़े जनविद्रोह के संकेत मिले हैं और न ही युद्ध के जल्द खत्म होने की कोई संभावना दिखाई दे रही है।

ईरान ओमान और तुर्की पर हालिया हमलों के पीछे नहीं : मोजतबा खामेनेई

तेहरान , एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने तुर्की और ओमान के कुछ हिस्सों पर हमलों से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि तुर्की और ओमान के कुछ हिस्सों पर हाल में हुए हमले ईरानी सशस्त्र बलों या उसके सहयोगियों की ओर से नहीं किए गए थे। वेबसाइट पर छपे एक बयान के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई ने यह बात शुक्रवार (लोकल टाइम) को ईद-उल-फितर आने पर बधाई देने के लिए एक मैसेज में कही, जो रमजान महीने के खत्म होने और 21 मार्च को ईरानी नए साल की शुरुआत 'नवरोज' का प्रतीक है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई ने कहा कि ईरान के तुर्की और ओमान दोनों के साथ सही रिश्ते हैं। उन्होंने इजरायल की 'चालबाजी' को लेकर चेतावनी देते हुए कहा कि वह पड़ोसी देशों के बीच फूट डालने के लिए 'फॉल्स फ्लैग' ऑपरेशनों का सहारा ले सकता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे ऑपरेशन दूसरे देशों में भी किए जा सकते हैं।

उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आपसी संबंध बेहतर बनाने की अपील की और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की अपनी तत्परता जताई।

ईरानी नेता ने नागरिकों के रहन-सहन के स्तर और देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने की जरूरत पर भी बल दिया, जिसमें जनता की भलाई और संपत्ति सृजन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही उन्होंने नए साल को राष्ट्रीय एकता के प्रकाश में प्रतिरोध अर्थव्यवस्था का साल घोषित किया। इसी बीच, नाटो तुर्की के दक्षिणी अदाना प्रांत में एक अतिरिक्त पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर चुका है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले सप्ताह ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोकने के बाद यह कदम उठाया

गया। तुर्की के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रियर एडमिरल जेकी अकतुर्क ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'हमारे एयरस्पेस और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उठाए गए कदमों के अलावा, जर्मनी के रामस्टीन में एलाइड एयर कमांड की ओर से तैनात एक और पैट्रियट सिस्टम को अदाना में तैनात किया जा रहा है, जो वहां पहले से मौजूद स्पेनिश पैट्रियट सिस्टम को सपोर्ट करेगा।'

अकतुर्क ने कहा कि 13 मार्च को ईरान से लॉन्च की गई एक मिसाइल तुर्की के एयरस्पेस में घुस गई, जिसे नाटो एयर और मिसाइल डिफेंस यूनिट्स ने पूर्वी भूमध्य सागर के ऊपर निष्क्रिय कर दिया।

बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर और नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों व संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी। इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)!

टी20 विश्वकप में शुभमन ने मजाक में कही बात से बढ़ाया था अभिषेक का हौंसला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए आईसीसी टी20 विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह लगातार तीन मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाने की कड़वी यादें भूल नहीं पा रहे थे तभी उनके साथ क्रिकेट शुभमन गिल ने मजाकिया अंदाज में एक ऐसी बात कही थी जिससे अभिषेक का हौंसला तो बढ़ा ही साथ ही उनके अंदर उत्साह भी जाग गया। ये खुलासा बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स समारोह में अभिषेक ने किया। इसमें जब शुभमन से पूछा गया कि उन्होंने टूर्नामेंट से पहले अभिषेक को कोई

सलाह दी थी तो शुभमन ने हंसते हुए कहा कि नंबर एक टी20 बल्लेबाज को कौन सलाह दे सकता है भला। तभी अभिषेक ने कहा कि जब उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन बार शून्य बनाया तो उन्होंने शुभमन को मैसेज किया था कि मुझे कोई बल्ला दे दे, इससे पहले कि कोई और रिकॉर्ड बन जाए। तक शुभमन ने बोला था, तू कर लेगा। हंसी मजाक में कही इस छोटी सी बात से अभिषेक का मनोबल बढ़ गया था। शुभमन ने तब अभिषेक की खराब फॉर्म को कोई समस्या नहीं मानते हुए उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जो स्वयं ही खराब दौर से बाहर आ जाएगा। इसके बाद जब अभिषेक से पूछा गया कि उन्हें किसका बल्ला सबसे ज्यादा पसंद है। तब . उन्होंने कहा कि शुभमन का। इसके बाद जब शुभमन से पूछा किया कि तो उन्होंने कहा कि ये हमेशा मेरा बल्ला मांगकर ही खेलता है। शुभमन और अभिषेक घरेल क्रिकेट में लंबे समय से एकसाथ खेले हैं। ऐसे में इनमें गहरी दोस्ती भी है। अभिषेक को हालांकि भारतीय टीम में जगह बनाने में काफी समय लग गया

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार

वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, "इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।" उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, "दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है।

आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी चयन समिति की नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली

इस माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर चयन समिति की भी नजरें बनी रहेंगी। चयन समिति अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए इसमें से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर नजर रख सकती है। समिति का लक्ष्य कम से कम 20 संभावित खिलाड़ियों की तलाश रहेगी। अगला विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर खेला जाएगा। चयन समिति के सदस्य अपने क्षेत्रों में मैचों के दौरान उपस्थित रहेंगे। लीग के पहले मैच में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर मुंबई में रहते हैं जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे। एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई चाहता है कि हर चयनकर्ता कम से कम हर सप्ताह एक मैच देखे जिससे पांच मैच प्रति सप्ताह हो जाएंगे। इसके अलावा टीवी पर मैच देख सकते हैं। टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे। चयन समिति इसके अलावा 6ह से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतरने पर विचार कर रही है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है। पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन

को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे। अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

बिजनेस

अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद-बिक्री को लेकर दी 30 दिनों की छूट

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच ट्रंप प्रशासन ने ईरान के तेल की खरीद पर लगे प्रतिबंधों में 30 दिनों की छूट दी है। यह छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए दी गई है, ताकि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई बढ़े और कीमतों का दबाव कम किया जा सके। ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी जंग के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह अस्थायी छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए दी गई है। दरअसल, ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ाने और दाम को काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई है।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी। स्कॉट बेसेंट ने जारी एक बयान में कहा कि दुनिया के लिए मौजूदा कच्चे तेल सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल की तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

नया आयकर कानून मुकदमों को कम करेगा और अनुपालन को सरल बनाएगाः सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 और 'प्रारंभ 2026' को लॉन्च किया, जिसका मकसद टैक्स को आसान बनाना और मुकदमों को कम करना है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'प्रारंभ 2026' के लॉन्चिंग के अवसर पर संबोधन में कहा कि नया आयकर अधिनियम मुकदमों को काफी हद तक कम करने और अनुपालन को सरल बनाने का प्रयास करता है; उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया कि वे करदाताओं को विरोधी मानने के बजाय "राष्ट्र निर्माण में भागीदार" के रूप में देखें।

आयकर अधिनियम, 2025 पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान" शुरू करते हुए वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 को भी लॉन्च किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों को कहा, 'टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण

में आपका साझीदार है।' उन्होंने इनकम टैक्स अधिकारियों से ज्यादा सहयोगात्मक सोच अपनाने का आग्रह किया।

सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि मैं एक नया दृष्टिकोण, एक नई मानसिकता चाहती हूं। मैं आयकर अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि वे इस "प्रारंभ" को इस नई मानसिकता को अपनाने के अवसर के रूप में लें। वित्त मंत्री ने शायराना अंदाज में कहा कि "छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, आओ मिलकर लिखेंगे हम इनकम टैक्स की नइ कहानी।"

वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आयकर विभाग को एक संदेश देना चाहती हूं। आप केवल टैक्स वसूलने वाले ही नहीं हैं, आप करदाताओं के साथ सरकार के संबंधों का चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि चूँकि आप टैक्स देने वालों के साथ सरकार के रिश्ते का चेहरा हैं, इसलिए यह नया कानून आपको एक ज्यादा साफ और सुव्यवस्थित ढांचा देता है, ताकि इसे आसान बनाया जा सके—उन लोगों के लिए और भी आसान, जो इसे बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं।

सीतारमण ने कहा इसे सहानुभूति, निष्पक्षता और कुशलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हर अधिकारी इस नए कानून की भावना को पूरी तरह से अपनाएगा। टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं है। टैक्स देने वाला राष्ट्र निर्माण में आपका साझीदार है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का जिक्र किया जिसमें में उन्होंने एम.ए.एन.ए.वी. के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा विजन है, जिसे उन्होंने मानव-केंद्रित डिजिटल युग बनाने के लिए पेश किया, जो इस प्रकार है। एमः- नैतिक और आचार-संबंधी प्रणालियां, एः- जवाबदेह शासन, एनः- राष्ट्रीय संप्रभुता, एः- सुलभ और समावेशी एआई और वीः- वैध और न्यायसंगत प्रणालियां। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'प्रारंभ 2026' अभियान लॉन्च किया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए 'आयकर अधिनियम 2025' के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह पहल जटिलता को कम करने, आयकर पोर्टल 2.0 के माध्यम से कर अनुपालन को आसान बनाने, और एमएसएमई को राहत देने के लिए एक बड़ा कर सुधार है।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा उतार-चढ़ाव, हल्की रिकवरी पर हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई

20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में तेजी और मंदी का मिश्रित दृश्य देखा गया। हफ्ते की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला, लेकिन मध्य सप्ताह में बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के चलते बाजार में भारी बिकवाली हुई। अंततः शुक्रवार को बाजार ने मामूली रिकवरी के साथ सप्ताह का समापन किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हुई, जब ब्लू-चिप शेयरों जैसे एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 938.93 अंक बढ़कर 75,502.85 पर और निफ्टी 257.70 अंक बढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। उसी दिन रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट देखी गई, जो 92.43 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 और निफ्टी 172.35 अंक बढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपये में 14 पैसे की गिरावट के बावजूद बाजार की बढ़त जारी रही। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते बाजार ने पिछले दो सत्रों की बढ़त को बरकरार रखा। बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर और निफ्टी 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। लेकिन गुरुवार को अचानक भारी बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 2,496.89 अंक गिरकर 74,207.24 पर और निफ्टी 775.65 अंक गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा भंडार सात अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। लगातार दूसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रहा है। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 13 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.68 अरब डॉलर घटकर 555.57 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस अवधि में स्वर्ण भंडार का मूल्य 66.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 130.68 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक 13 मार्च को समाप्त हफ्ते के दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.69 अरब डॉलर रहा।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन फरवरी में घटकर 2.3 फीसदी पर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी महीने में घटकर 2.3 फीसदी रही, जो तीन महीने का निचला स्तर है। पिछले साल इसी महीने में यह 3.4 फीसदी थी। जनवरी में यह वृद्धि दर 4.7 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़े में बताया कि फरवरी में देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट,

बिजली) का संयुक्त उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 फीसदी बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक फरवरी में सीमेंट, इस्पात, उर्वरक, कोयला और बिजली के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि अप्रैल से फरवरी के दौरान 2.9 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.4 फीसदी रही थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के ये आंकड़े भारत की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के प्रमुख संकेतक हैं, जो देश की कुल औद्योगिक वृद्धि दर में 40 फीसदी से अधिक का योगदान देते हैं।

सूर्या अभिनीत फिल्म करुप्पु की रिलीज डेट तय

मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से उठाया पर्दा

सूर्या इस साल अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म करुप्पु के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। आरजे बालाजी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। जानिए कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी यह फिल्म? फिल्म मेकर्स ने इंस्टाग्राम हैंडल पर करुप्पु से सूर्या का एक खास पोस्टर शेयर किया और साथ ही इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया।

उन्होंने लिखा जो लोग सूर्या की फिल्म करुप्पु की रिलीज का इंतजार कर रहे थे, वो आ गई है। करुप्पु 14 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म करुप्पु एक वकील की कहानी है, जो किसी देवता के वश में हो जाता है और समाज के कुछ लोगों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ता है। फिल्म में सूर्या के साथ तृषा कृष्णन मुख्य अभिनेत्री के किरदार में हैं। इसमें इंद्रांस, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी, योगी बाबू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। आरजे बालाजी खुद एक छोटी कैमियो भूमिका में दिखेंगे। सूर्या विश्वनाथ एंड संस में नजर आएंगे। यह फिल्म वेंकी अटुलुरी ने बनाई है। इसमें सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। यह एक भावुक रोमांटिक ड्रामा है। ममिता बैजू उनके साथ हैं और रवीना टंडन भी महत्वपूर्ण रोल में हैं। यह फिल्म जुलाई 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा सूर्या47 (अस्थायी नाम) में नजर आएंगे। जितु माधवन इसका निर्देशन कर रहे हैं। इसमें नजरिया नाजिम मुख्य भूमिका में हैं और नस्लेन का किरदार भी खास है। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। सिलंबरासन इसमें कैमियो कर सकते हैं।

धुरंधर 2 के प्रीमियर शो ने बिगाड़ा द केरल स्टोरी 2 का रिकॉर्ड

20वें दिन हुई बस इतनी कमाई

द केरल स्टोरी 2 में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने लीड रोल प्ले किया है. इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे मंगलवार यानी 19वें दिन तक हर दन एक करोड़ से ऊपर ही कमाई की. लेकिन अब 'धुरंधर 2 की रिलीज ने इस फिल्म का पूरा खेल बिगाड़ दिया है. जानते हैं रिलीज के तीसरे बुधवार यानी 20वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है?

द केरल स्टोरी 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है. यहां तक कि ये अपना बजट वसूलने के साथ ही 70 फीसदी से ज्यादा मुनाफा भी बटोर चुकी है इसलिए ये साल की सक्सेसफुल फिल्मों की लिस्टम शामिल हो गई है. हालांकि रिलीज के 20वें दिन धुरंधर 2 के प्रीमियर शो के चलते इसकी कमाई को झटका लगा और इसने तीसरे बुधवार अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया ह.

फिल्म की कमाई की बात करे तो पहले हफ्ते में 23.28 करोड़ कमाने वाली द केरल स्टोरी 2 ने दूसरे हफ्ते में 17.16 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते के 15वें दिन इसने 1.50 करोड़, 16वें दिन 2.75 करोड़, 17वें दिन 3.15 करोड़, 18वें दिन 1.13 करोड़ और 19वें दिन 1.58 करोड़ का कलेक्शन किया.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 80 लाख कमाए हैं.

इसी के साथ द केरल स्टोरी 2 की 20 दिनों की कुल कमाई अब 51.15 करोड़ रुपये हो गई है.

द केरल स्टोरी 2 साल 2026 की चौथी बॉलीवुड फ़िल्म बन गई है जिसने 50 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है. यह फ़िल्म बॉर्डर 2, मर्दानी 3 और ओ रोमियो के बाद इस लिस्ट में शामिल हुई है. हालांकि सिनेमाघरों में धुरंधर 2 की रिलीज के साथ अब इस फ़िल्म के पास कमाई करने का मौका नहीं रहा है. रणवीर सिंह की फिल्म के प्रीमियर शो ने ही द केरल स्टोरी 2 की हालत खराब कर दी अब 19 मार्च से ये दुनियाभर के सिनेमाघरों में दहाड़ेगी तो इस फिल्म के लिए कमाई करना मुश्किल हो जाएगा. अब देखने वाली बात होगी कि धुरंधर 2 के आने के बाद द केरल स्टोरी 2 का कैसा हाल होगा.

मातृभूमि का नया गाना चांद देख लेना जारी

सलमान खान ने ईद पर दिया तोहफा

सलमान खान दर्शकों को पहली झलक से एक्साइटेड करने के बाद, अपने फैंस के लिए ईद का तोहफा लेकर आए हैं। सलमान खान फिल्म्स ने अब मातृभूमि मे वार रेस्ट इन पीस से सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया पूरा गाना चांद देख लेना रिलीज कर दिया है। ईद के खास अवसर पर रिलीज हुआ यह गाना चांद के महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का ही एक बड़ा हिस्सा है।

जहां ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतज़ार और भरोसे को दिखाता है। चांद देख लेना इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है। फिल्म के टाइटल ट्रैक मातृभूमि को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। फिर वेलेंटाइन डे पर मैं हूं गाना आया और अब इस नए गाने चांद देख लेना ने फिल्म की कहानी और इसके म्यूज़िक को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है।हिमेश रेशमिया के संगीत से सजा यह गाना बॉलीवुड के पुराने और सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह गाना एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच के इमोशनल सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। वीडियो में चित्रांगदा सिंह का किरदार एक फौजी की पत्नी की हिम्मत और सब्र को दिखाता है, जो सरहद पर तैनात अपने पति (सलमान खान) का घर लौटने का इंतज़ार करती हैं। यह गाना उन परिवारों की ताकत को सलाम करता है जो देश की रक्षा करने वालों के पीछे चट्टान बनकर खड़े रहते हैं।संगीत की दुनिया में कुछ नया करने के लिए, सलमान खान ने इस गाने के जरिए नए टैलेंट को मौका दिया है। चांद देख लेना को युवा गायक निहाल टौरो, जो अपने आध्यात्मिक भजनों और कीर्तनों के लिए मशहूर हैं, और अंकोना मुखर्जी ने गाया है। सलमान खान ने अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इन दोनों गायकों को मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक बड़ा ब्रेक दिया है।पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था, लेकिन अब इसे बदलकर मातृभूमिः मे वार रेस्ट इन पीस कर दिया गया है। यह बदलाव फिल्म की कहानी के पीछे छिपे गहरे जज्बात और जंग के बीच इंसानियत के संदेश को दिखाने के लिए किया गया है।मातृभूमिः मे वार रेस्ट इन पीस को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है, जबकि अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं। यह फिल्म बहादुरी, कुर्बानी और मुश्किलों से लड़ने की एक सच्ची झलक पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक बहुत ही अहम रोल में नज़र आएंगी।

फिल्म

धुरंधर 2 ने पहले दिन लगाई दहाड़, प्रिव्यू शो से तोड़ दिया पिछला रिकॉर्ड

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 : द रिवेंज का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। 19 मार्च को फिल्म ने दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है जिसे देखने भारी तादात में लोग पहुंचे रहे हैं। रिलीज से ठीक एक दिन पहले, यानी 18 मार्च को फिल्म के प्रिव्यू शोज रखे गए थे जिसमें इसने शानदार ओपनिंग की। दिलचस्प बात यह है कि सीक्वल ने प्रिव्यू कमाई से ही धुरंधर का ओपनिंग डे रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, 18 मार्च को रिलीज हुए पेड प्रीव्यू शोज से धुरंधर 2 ने भारत में 44 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया है। इन आंकड़ों के साथ सीक्वल ने दिसंबर, 2025 में रिलीज हुई धुरंधर को पीछे छोड़ दिया है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 28 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। फिल्म ने ग्रॉस कलेक्शन के साथ 52 .71 करोड़ रुपये कमा लिए हैं, लेकिन यह आंकड़ा बदल सकता है क्योंकि आखिरी वक्त में कई शो रद्द हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार, पेड प्रिव्यू के साथ, सभी वर्जन में कुल कमाई 50 करोड़ से ज्यादा हुई है जिसके चलते धुरंधर 2 ने भारत में अब तक की सबसे बड़ी प्रीमियर प्रदर्शन करने वाली फिल्म का खिताब हासिल कर लिया है। इससे पहले, श्रद्धा कपूर अभिनीत स्त्री 2 ने पेड प्रिव्यू में 10 करोड़ से ज्यादा कारोबार करते हुए रिकॉर्ड बनाया था। धुरंधर 2 ने उत्तरी अमेरिका में 19 मार्च की सुबह तक 13 .06 करोड़ का अनुमानित कारोबार किया है।

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अप्रैल में होगी स्ट्रीम

राजकुमार राव ने अपने प्रोडक्शन कम्पा फिल्म्स के तहत बनी पहली फिल्म टोस्टर का ऐलान 2025 में किया था। उस वक्त फिल्म का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया गया था जिसमें सान्या मल्होत्रा भी शामिल थीं। तब से फैंस राजकुमार और सान्या अभिनीत फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालिया अपडेट में बताया गया है कि यह डार्क-कॉमेडी फिल्म अपनी डिजिटल स्ट्रीमिंग को लेकर कमर कस चुकी है। इसका प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स के कमिंग सून सेक्शन में जारी किए गए नए प्रीव्यू के अनुसार, टोस्टर का प्रीमियर अप्रैल, 2026 में किया जा सकता है। फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है, जबकि पटकथा रवेज शेख, अनघ मुखर्जी और अक्षत घिल्डियाल ने मिलकर लिखी है। टोस्टर एक डार्क कॉमेडी और गंभीर अपराध वाली फिल्म है जो एक रद्द हुई शादी की रस्म के बाद शादी के तोहफे की अराजक खोज को उजागर करती है।टोस्टर की कहानी कंजूस रमाकांत (राजकुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे शादी में एक महंगा टोस्टर तोहफे में मिलता है। वहीं सान्या ने उसकी पत्नी शिल्पा का किरदार निभाया है। टीजर के मुताबिक, शादी में टोस्टर मिलने के बाद, अगले ही दिन उसकी शादी रद्द हो जाती है। इसके बाद वह उपहार को वापस करने के जिद पकड़ लेता है। इसके बाद कई रहस्यमयी घटनाओं का खुलासा होता है। फिल्म में अर्चना पूरन सिंह, सीमा पाहवा जैसे सितारे भी हैं।

निविन पॉली की राजनीतिक थ्रिलर प्रतिछाया की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 26 मार्च को

मलयालम सिनेमा में हमेशा ही राजनीतिक कहानियों को पर्दे पर रोचक अंदाज में दिखाया गया है। इस बार निर्देशक बी. उन्नीकृष्णन एक नई राजनीतिक थ्रिलर फिल्म प्रतिछाया लेकर आए हैं, जिसमें दर्शक राजनीतिक रणनीतियों के जटिल खेल को देख पाएंगे। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें निविन पॉली मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

अब फिल्म निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा की है कि फिल्म 26 मार्च को दुनियाभर में

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निविन पॉली ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि यह फिल्म एक पिता की विरासत और बेटे की तकदीर की कहानी है। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक बी. उन्नीकृष्णन हैं।

इसे श्री गोकुलम मूवीज और आरडी इल्यूमिनेशंस एलएलपी ने प्रोड्यूस किया है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया। ट्रेलर की शुरुआत ही निविन पॉली की आवाज से होती है। वह सवाल उठाते हैं कि क्या सफलता केवल पद या वेतन से मापी जा सकती है। वे गांधीजी, नेहरू, ईएमएस और ए.के.जी. का उदाहरण देते हुए यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या इन्हें समाज सफल मानता है या नहीं।

इस बीच ट्रेलर में प्रदर्शन, राजनीतिक भाषण और नेताओं की छवियां दिखाई जाती हैं, जो फिल्म में होने वाले राजनीतिक संघर्ष का संकेत देती हैं। फिल्म में निविन पॉली का किरदार एक राजनीतिक रणनीतिकार है। वह किसी नेता की टीम का हिस्सा हैं और राजनीतिक समीकरणों को अच्छी तरह समझते हैं। वह बताते हैं कि मंत्रिमंडल गठन, जाति, धर्म और शक्तिशाली गठबंधनों पर आधारित होता है।

नेताओं की छवि और लोकप्रियता इन समीकरणों से तय होती है। ट्रेलर में दिखाया गया कि निविन पॉली का किरदार भ्रष्ट भी है। जब एक नेता उन्हें करप्ट कहता है, तो वह जवाब देते हुए कहते हैं, जैसे तुम्हारा करप्शन से कोई लेना-देना नहीं है।

मीठा खाने की इच्छा को कम करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

मीठा खाने की इच्छा एक आम समस्या है, खासकर जब हम तनाव में होते हैं या थकावट महसूस करते हैं। यह इच्छा न केवल हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, बल्कि हमारे वजन को भी बढ़ा सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप मीठा खाने की इच्छा को कम कर सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं। पानी पीएंजब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं। कई बार हमें लगता है कि हम भूखे हैं, जबकि वास्तव में हमें प्यास लगी होती है। पानी पीने से हमारी प्यास बुझ जाती है और मीठे की इच्छा कम हो जाती है। इसके अलावा पानी पीने से हमारे शरीर में तरलता बनी रहती है और पाचन क्रिया भी सही तरीके से काम करती है। यह एक सरल और प्रभावी तरीका है।फल खाएंफल प्राकृतिक रूप से मीठे होते हैं और इनमें विटामिन्स, खनिज और फाइबर होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, एक केला या सेब खा लें। इससे आपकी मीठे की इच्छा भी पूरी होगी और शरीर को जरूरी पोषण भी मिलेगा। फल खाने से आपको ताजगी का एहसास होगा और यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प भी है। इसके अलावा फल खाने से आपको ऊर्जा भी मिलेगी।डार्क चॉकलेट खाएअगर आपको चॉकलेट खाने का बहुत शौक है तो डार्क चॉकलेट एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसमें कम चीनी होती है और यह शरीर के लिए फायदेमंद तत्वों से भरपूर होती है। डार्क चॉकलेट खाने से हमारी मीठे की इच्छा भी शांत होती है और साथ ही यह हमें ऊर्जा भी देती है। इसके अलावा इसमें मौजूद तत्व हमारी सेहत के लिए लाभकारी होते हैं, जिससे हम स्वस्थ और ताजगी महसूस करते हैं। योग और ध्यान करेंयोग और ध्यान हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होते हैं। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, थोड़ी देर योग या ध्यान करें। इससे आपका मन शांत होगा और मीठे की इच्छा कम होगी। योग और ध्यान से न केवल मानसिक तनाव कम होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। यह एक प्रभावी तरीका है, जिससे आप मीठे की आदत को नियंत्रित कर सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

प्रोटीन युक्त खाना खाएं-प्रोटीन युक्त खाना खाने से हमारी भूख कम होती है और हमें लंबे समय तक संतुष्टि मिलती रहती है। जब भी आपको मीठा खाने की इच्छा हो, थोड़ी मात्रा में मूंगफली या बादाम खा लें। इससे आपकी मीठे की इच्छा भी शांत होगी और साथ ही आपको जरूरी पोषण भी मिलेगा। इसके अलावा प्रोटीन युक्त खाने से ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। यह एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है।

संक्षिप्त समाचार

हेलमेट नहीं पहनने वालों के 4 दिन में काटे 17,415 चालान; दिल्ली पुलिस के एक्शन से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित बनाने और दोपहिया वाहन चालकों को जीवन के महत्व का अहसास कराने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 16 से 20 मार्च तक विशेष अभियान चलाया। 17415 वाहन चालकों के चालान काटे गए। अभियान का समापन बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क में हुआ। इस दौरान पुलिस ने जिन लोगों के चालान काटे उन्हें हेलमेट भी दिया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त संजय कुमार त्यागी ने हेलमेट को केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक कवच बताया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर विजयंता आर्या, दिनेश कुमार गुप्ता, डीसीपी शोभित डी.सक्सेना और एसीपी सुनील चौहान ने युवाओं को सड़क नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। गुप्ता ने बताया कि यह अभियान केवल चालान काटने तक सीमित नहीं था, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी छूने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उन लोगों के वीडियो साक्षात्कार साझा किए गए, जो हेलमेट की वजह से दुर्घटनाओं में बच गए। राम मनोहर लोहिया अस्पताल के निदेशक और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के विशेषज्ञों ने बताया कि सिर की छोटी सी चोट भी गंभीर परिणाम ला सकती हैं।

ऑफिस में कलीग, मैनेजर या बॉस से है तकरार तो अब बनेगी बात

महीने में 2 दिन ऐसी शिकायतों का निकलेगा समाधान

नई दिल्ली , एजेंसी। जिले में पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों का आपस में या फिर मैनेजर व विभागाध्यक्ष से हुए विवादों के निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के पहले व तीसरे बृहस्पतिवार को लोक व्यवस्था एवं जन सुरक्षा बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ व पुलिस कमिश्नर जे. रविन्दर गौड़ ने आदेश जारी किए हैं। इसके साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टर से जुड़े विवादों के निस्तारण में लापरवाही हुई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित थाने के प्रभारी और संबंधित अधिकारी की होगी, जिसके पास शिकायत आएगी। यदि समय पर निस्तारण नहीं किया गया तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी से रंगदारी मांगी जाती है, धमकी दी जाती है या अवैध वसूली की जाती है तो उसकी शिकायत भी तत्काल करें, जिससे कि आरोपितों पर समय रहते ठोस कार्रवाई की जा सके। डीएम ने बताया कि जिले में सरकारी कार्यालयों के अलावा पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टरों की बड़ी-बड़ी कंपनियां, संस्थाएं, अस्पताल व अन्य संगठन स्थित हैं। यहां बड़ी संख्या में कर्मचारियों की तैनाती रहती है और विभागाध्यक्ष व मैनेजर नियुक्त होते हैं। यहां कर्मचारियों के बीच आपस में या फिर कर्मचारियों और विभागाध्यक्ष के बीच आपसी मनमुटाव होता है, लेकिन मुद्दों को व्यक्तिगत मानकर आपस में साझा नहीं किया जाता। ऐसे मामले कई बार बड़ी घटना का रूप ले लेते हैं। ऐसे में सभी संगठनों से अपील की गई है कि इस प्रकार की कोई समस्या या प्रकरण हो तो अपने निकटतम थाना प्रभारी व संबंधित विभाग को अवश्य बताएं। थाना प्रभारी तत्काल ऐसे मामलों का संज्ञान लेते हुए पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाएं। कानून एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर बीएनएस के तहत कार्रवाई करें। यदि इस तरह के मामलों में लापरवाही की गई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित थाना प्रभारी की होगी। उनका उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए निलंबन व सेवा समाप्ति की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

राशन कार्ड धारकों के लिए अच्छी खबर, अप्रैल में मिलेगा तिगुना अनाज

नई दिल्ली , एजेंसी। सरकार गरीबी रेखा के नीचे आने वाले सभी लोगों को मुफ्त में राशन मुहैया कराती है। इस बीच केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देश के सभी राशन कार्ड धारकों को अप्रैल महीने में तिगुना अनाज देने का ऐलान किया है। केंद्र सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने इसकी जानकारी दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, 'अप्रैल में सभी लाभार्थियों को तीन महीने (अप्रैल, मई और जून 2026) का राशन एक साथ मिलेगा। इसके लिए सभी लाभार्थी अपनी नजदीकी राशन दुकान से निर्धारित समय पर राशन प्राप्त कर सकते हैं।' आपको बता दें कि सरकार ने फिलहाल इसके पीछे कोई ठोस कारण नहीं बताया है।

41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म

इससे पहले सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड, राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए।

बंभानिया ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है।

उनके अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 48.85 लाख और 2023 में 41.99 लाख थी। बंभानिया ने बताया कि पीडीएस में चल रहे सुधारों के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राशन कार्ड और लाभार्थियों के आंकड़ों का पूरी तरह डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

देश की लगभग सभी उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) को खाद्यान्न वितरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक ''प्वाइंट ऑफ सेल'' (ईपीओएस) उपकरणों की स्थापना के माध्यम से स्वचालित किया गया है। इसके अलावा, 99.2 प्रतिशत लाभार्थियों को आधार से जोड़ा जा चुका है और 98.75 प्रतिशत खाद्यान्न वितरण आधार आधारित बायोमेट्रिक सहित डिजिटल प्रमाणीकरण के माध्यम से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, 'पीडीएस का डिजिटलीकरण दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके और खाद्यान्न की चोरी आदि का समाधान किया जा सके। '

धूम्रपान नहीं, फिर भी हो रहा फेफड़ों का कैंसर; वायु प्रदूषण की भूमिका पर एम्स करेगा शोध

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में फेफड़ों के कैंसर को लेकर गंभीर स्थिति सामने आ रही है। हर वर्ष सामने आने वाले लगभग एक लाख नए मामलों में से करीब 40 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिन्होंने कभी धूमपान किया ही नहीं था। यह आंकड़ा इस धारणा को चुनौती देता है कि फेफड़ों का कैंसर धूमपान करने वालों की बीमारी है। यह जानकारी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शुक्रवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में रेडियो आंकोलाजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. अभिषेक शंकर और प्रोफेसर डा. सुनील कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इसके पीछे वायु प्रदूषण, खासकर पीएम 2.5 एक संभावित बड़ा कारण बनकर उभर रहा है, जिसे अब एयरकेयर (एयर पाल्यूशन एंड कैंसर रिसर्च इकोसिस्टम) शोध के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से समझने की आवश्यकता है। डा. अभिषेक शंकर ने बताया कि एयरकेयर शोध एम्स की एक अहम पहल है, जिससे यह पता लगाया जाएगा कि वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर को किस हद तक प्रभावित करता है। शोध में फेफड़ों के कैंसर में पीएम 2.5 के साथ-साथ अन्य पर्यावरणीय कारकों के संयुक्त प्रभाव का भी विश्लेषण किया जाएगा। प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि शोध में जेनेटिक हिस्ट्री को भी शामिल किया गया है। हम यह समझना चाहते हैं कि क्या कुछ लोग आनुवांशिक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं, जिन पर प्रदूषण का असर ज्यादा पड़ता है। चेतावनी दी कि फेफड़ों के कैंसर के मामले में देर से पहचान सबसे बड़ी चुनौती है। अधिकांश मामलों में बीमारी का पता अंतिम अवस्था में चलता है, जिसके कारण बड़ी संख्या में (करीब 70 प्रतिशत) मरीजों की मौत बीमारी का पता चलने के पहले ही वर्ष में हो जाती है। एक प्रश्न के उत्तर में डा. अभिषेक शंकर ने बताया कि अध्ययन में एनसीआर के करीब 3200 लोगों को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

लाखों लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को परिवहन विभाग और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) से संबंधित चार योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें रिंग रोड स्थित इंद्रप्रस्थ बस डिपो में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। वहीं, यमुनापार के नानकसर से गाजियाबाद तक नई अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू की गई। इसके साथ ही डीटीसी के 1800 वर्ग मीटर में बनने वाले दो मंजिला भवन का शिलान्यास किया गया, जिसमें अस्थायी तौर पर डीटीसी के वर्तमान मुख्यालय को स्थानांतरित किया जाएगा। सीएम ने ईवी इंसेंटिव पोर्टल की शुरुआत करते हुए 12,877 लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 24 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की। इस मौके पर परिवहन मंत्री डा. पंकज सिंह व स्थानीय विधायक तरविंदर सिंह मारवाह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पिछले एक वर्ष में डीटीसी द्वारा किए गए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि पहले डीटीसी भारी घाटे में थी, लेकिन अब सरकार के निरंतर प्रयासों से यह धीरे-धीरे वित्तीय संतुलन हो रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में डीटीसी की स्थिति काफी कमजोर हो गई थी। संचालन में अनियमितताएं थीं। संसाधनों का उचित उपयोग नहीं हो पा रहा था। उनकी सरकार ने इन कमियों को दूर करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की है।

कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए: मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार द्वारा बस डिपो के आधुनिकीकरण, आइएसबीटी का पुनर्विकास, डीटीसी कार्यालय के निर्माण, आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन की स्थापना और प्रदूषण जांच प्रणाली (पीयूसीसी) को मजबूत करने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पिछली सरकारों की वित्तीय देनदारियों को भी वर्तमान सरकार द्वारा पूरा किया जा रहा है। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी के संबंध में कहा कि पूर्व में घोषित योजनाओं के बावजूद लाभार्थियों को समय पर सब्सिडी नहीं मिली थी। हमारी सरकार ने इस स्थिति को सुधारा है। वहीं, 300 बसों के शामिल होने से दिल्ली का कुल बस बेड़ा 6100 से ज्यादा का हो गया है। यह बेड़ा मार्च तक 5000 इलेक्ट्रिक बसों के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ा जा रहा है।

बस चालकों से सीएम ने हाथ जोड़ कर किया अनुरोध: डीटीसी बसों से हो रहीं दुर्घटनाओं और चालक-परिचालक के बर्ताव ठीक न होने की यात्रियों की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे यात्रियों से अच्छे से व्यवहार करें। उन्होंने चालकों से हाथ जोड़कर अनुरोध किया कि वे बसों को सावधानीपूर्वक चलाएं, जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इंद्रप्रस्थ डिपो में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने अनुरोध उस समय किया है जब कुछ दिन पहले ही डीटीसी की बस ने पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार में लोगों को टक्कर मार दी थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। यहां बता दें कि दिल्ली में वित्तीय वर्ष 2024-25 में डीटीसी और क्लस्टर बसों से लगभग 150 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

परियोजनाओं का पूरा ब्योरा

दिल्ली सरकार ने 300 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की। इन बसों के शामिल होने से दिल्ली देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस बेड़ा रखने वाला शहर बन गया है, जिसकी संख्या 4400 से ऊपर पहुंच गई है। सरकार का लक्ष्य 2028-29 तक इसे बढ़ाकर करीब 14,000 बसों तक पहुंचाना है। दिल्ली समेत एनसीआर में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए नानकसर से गाजियाबाद के पुराना बस स्टैंड तक नई अंतराज्यीय ईवी बस सेवा शुरू की है। इसके तहत अभी तीन बसें करीब 21 किलोमीटर के रूट पर भजनपुरा, लोनी रोड, यूपी बार्डर, पसोंडा, हिंडन एयरपोर्ट और मोहन नगर से गुजरेंगी। ये रोजाना दोनों दिशाओं में 12 ट्रिप करेंगी। यह सेवा सुबह 7:15 बजे से रात 10:10 बजे तक संचालित होगी और इसका अधिकतम किराया 53 रुपये होगा। डीटीसी का नया मुख्यालय बनाया जाएगा। इसलिए वर्तमान मुख्यालय को स्थानांतरित करने के लिए प्रस्तावित दो मंजिला कार्यालय भवन का शिलान्यास किया है। स्थायी भवन के निर्माण तक कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए एक अस्थायी कार्यालय तैयार किया जाएगा। वर्तमान मुख्यालय को खाली कराकर यहां 12 मंजिला डीटीसी मुख्यालय बनाया जाना है। सरकार ने पिछली सरकार के समय की बकाया 12,877 लोगों की सब्सिडी के तौर पर लगभग 24.04 करोड़ रुपये की राशि जारी की। बाकी लंबित मामलों का निपटारा चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। नए आवेदनों के लिए पोर्टल भी खुला रहेगा।

पोलैंड ने सुरक्षा चिंताओं के बीच इराक से अपने सैनिकों को वापस बुलाया

वारसॉ , एजेंसी। मध्य पूर्व में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच पोलैंड ने इराक से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक कामिश ने इसकी घोषणा की। यह निर्णय परिचालन स्थितियों और संभावित जोखिमों के आकलन के बाद लिया गया। कोसिनियाक कामिश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। शिन्हुआ के अनुसार, पोलिश प्रेस एजेंसी के हवाले से इराक में अधिकतम 350 पोलिश सैनिक तैनात थे। इस दल को जॉर्डन, कतर और कुवैत में भी संचालन की अनुमति थी। कोसिनियाक कामिश ने आगे बताया कि अधिकांश कर्मी पहले ही पोलैंड लौट चुके हैं या वापस आने के रास्ते में हैं जबकि कुछ को अपना मिशन जारी रखने के लिए जॉर्डन स्थानांतरित किया गया है। इस बीच, इराक में नाटो मिशन ने भी सुरक्षा चिंताओं के कारण

अपने कर्मियों की अस्थायी वापसी शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ सुरक्षा स्रोत ने शुक्रवार को इराकी न्यूज़ एजेंसी (आईएनए) को यह जानकारी दी। सूत्र ने इस कदम को जारी संघर्ष और मिशन सदस्यों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण उठाया गया अस्थायी उपाय बताया। आईएनए के अनुसार युद्ध समाप्त होने और इराक में सुरक्षा स्थिति स्थिर होने पर वे वापस लौट आएंगे। गैर-लड़ाकू सलाहकार नाटो मिशन इराक 2018 में इराकी सरकार के अनुरोध पर स्थापित किया गया था, ताकि उसके सुरक्षा क्षेत्र को मजबूत किया जा सके। यह अस्थायी वापसी 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच हुई, जिसमें ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने मध्य पूर्व में इज़राइल और अमेरिकी ठिकानों तथा संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें शुरू कीं।

जेलेंस्की ने अमेरिका भेजा प्रतिनिधिमंडल, फिर तेज हुई त्रिपक्षीय वार्ता की कोशिशें

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका भेजा है, ताकि उनके देश पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के लिए थमी हुई वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके। वहीं, क्रेमलिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि मॉस्को और कीव के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता का नया दौर जल्द शुरू हो सकता है।

उन्होंने कहा, त्रिपक्षीय वार्ता में अभी तक अहम मुद्दों पर कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। यह वार्ता रुकी हुई है, क्योंकि ईरान युद्ध दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। जेलेंस्की जल्द वार्ता शुरू करना चाहते हैं और उन्होंने गुरुवार शाम कहा कि उन्होंने प्रतिनिधियों को अमेरिका भेजा है, जिनकी शनिवार को बैठक होने की उम्मीद है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने किसी बैठक की पुष्टि नहीं की है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस उन वार्ताओं में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नए त्रिपक्षीय बैठक का समय और स्थान अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह विराम अस्थायी है, हम उम्मीद करते हैं कि त्रिपक्षीय प्रारूप की वार्ता फिर शुरू होगी।

पश्चिमी यूरोपीय अधिकारियों ने पिछले साल कई बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर वार्ता में देरी करने का आरोप लगाया।

पुतिन अपनी सेना का उपयोग करके अधिक यूक्रेनी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस की सेना यूक्रेन के लगभग 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुकी है।

हालात वैसे ही हैं: अब्बास अराघची का अमेरिका पर निशाना, वियतनाम युद्ध और फाइव ओ क्लॉक फॉलीज का किया जिक्र

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हर बदलते दिन के साथ संघर्ष और गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ चल रहे तनाव के बीच वियतनाम युद्ध का उदाहरण देते हुए तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी नेतृत्व जमीन की हकीकत से अलग बयान देता था, वैसी ही स्थिति आज ईरान को लेकर भी देखने को मिल रही है। अब्बास अराघची ने अपने बयान में फाइव ओ क्लॉक फॉलीज का जिक्र किया, जो 1960 के दशक में साइगॉन में अमेरिकी सेना की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग को कहा जाता था। इन ब्रीफिंग में युद्ध में जीत का दावा किया जाता था, जबकि वास्तविक स्थिति इसके उलट थी। वियतनाम युद्ध में अमेरिका के 50 हजार से अधिक सैनिक मारे गए थे और कुल मिलाकर करीब 30 लाख लोगों की जान गई थी।

वियतनाम युद्ध पर क्या बोले ईरानी विदेश मंत्री?: ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि उस समय भी अमेरिकी जनरल विलियम वेस्टमोरलैंड ने देश लौटकर यह भरोसा दिलाया था कि युद्ध में प्रगति हो रही है और जीत करीब है। लेकिन जनवरी 1968 में टेट ऑफेंसिव के बाद यह धारणा पूरी तरह टूट गई, जब उत्तर वियतनाम और वियतकॉन्ग ने एक साथ 100 से ज्यादा शहरों पर हमला किया। अराघची ने मौजूदा हालात की तुलना करते हुए कहा कि आज भी अमेरिकी सरकार और जमीनी सच्चाई में अंतर दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि जहां अमेरिका ईरान की वायु रक्षा प्रणाली के खत्म होने की बात कह रहा है, वहीं एक एफ 35 लड़ाकू विमान को ईरानी हमले के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।

एफ 35 लड़ाकू विमान पर क्या बोला अमेरिका?: इस घटना पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि एक एफ 35 विमान ने ईरान के ऊपर मिशन के बाद क्षेत्रीय एयरबेस पर सुरक्षित लैंडिंग की है और मामले की जांच की जा रही है। अराघची ने यह भी कहा कि अमेरिकी युद्धपोतों की तैनाती को लेकर किए जा रहे दावों के विपरीत, यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड और यूएसएस अब्राहम लिंकन जैसे विमानवाहक पोत अपने अग्रिम मोर्चों से पीछे हटे हैं। हालांकि, जानकारी के अनुसार यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड में आग लगने के बाद उसे मरम्मत के लिए ग्रीस के क्रेट द्वीप की ओर ले जाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह घटना युद्ध से जुड़ी नहीं थी।

ईरान ने अमेरिकी नुकसान पर किया क्या दावा?: ईरान का दावा है कि मौजूदा संघर्ष में अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है और करीब 200 घायल हुए हैं। वहीं ईरान में 1400 से अधिक लोगों की जान गई है और 18000 लोग घायल हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने इस संघर्ष में 12 एमक्यू 9 रीपर ड्रोन भी खो दिए हैं और मार्च महीने में चार अन्य मानवयुक्त विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं।

वियतनाम युद्ध और टेट ऑफेंसिव: उत्तर वियतनाम (वामपंथी) और दक्षिण वियतनाम (अमेरिका समर्थित) के बीच लड़ी गई यह जंग शीत युद्ध की राजनीति से जुड़ी थी। इसमें अमेरिका ने वामपंथ को फैलने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, जबकि सोवियत संघ और चीन ने उत्तर वियतनाम का समर्थन किया। यह युद्ध 1955 से 1975 तक चला और आखिरकार उत्तर वियतनाम की जीत हुई। इस युद्ध में लाखों लोगों की जान गई और अमेरिका को सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, टेट ऑफेंसिव को वियतनाम युद्ध का निर्णायक मोड़ माना जाता है, जिसने अमेरिका की वापसी की दिशा तय कर दी। 1968 में एक बड़ा सैन्य अभियान हुआ। जो टेट ऑफेंसिव कहलाया। इसमें उत्तर वियतनाम और वियतकॉन्ग ने टेट त्योहार के दौरान अचानक दक्षिण वियतनाम और अमेरिकी ठिकानों पर व्यापक हमले किए। हालांकि अमेरिका और दक्षिण वियतनाम ने इन हमलों को सैन्य रूप से विफल कर दिया, लेकिन इस घटना का मनोवैज्ञानिक असर बहुत गहरा था। इसने अमेरिकी जनता का युद्ध पर भरोसा हिला दिया और यह साफ कर दिया कि वियतनाम युद्ध जीतना आसान नहीं है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com